कुरिन्थियों, सुधार की पुस्तक

Corinthians, Book Of Correction

मित्रों, सुप्रभात! मैंने भाई नेविल को बताया था, इस प्रातः और इस आनेवाली बेदारी के लिए मेरा गला बस थोड़ा सा खराब था। मैं इस प्रातः आपको प्रचार करने का यत्न नहीं करूंगा, क्योंकि मेरा गला बहुत खराब है। परन्तु बस यह छोटा झुण्ड जो कि यहां पर है। मुझे शायद संडे स्कूल का पाठ लेना होगा, फिर उन्हें बस कुछ समय तक के लिए प्रचार करवाना होगा। अतः हम करेंगे...मैं यहां पर बाईबिल से बस एक छोटा सा पाठ लूंगा, किसी ऐसी बात के विषय में जिसके ऊपर हम पंन्द्रह बीस मिनटों तक बोल सकते हैं। और शायद प्रभु हमें उस में से कुछ बात प्रदान करेगा। अब, बस हमारे साथ बहुत ही अच्छा बना रहा है, बहुत ही अच्छा।

2 और अतः, हम थक गए हैं। मैं पिछली रात्रि कुछ देर तक जगा रहा था। मैं हूं...उसके बाद मैं था। जबसे मैं आया, तबसे बहुत सारे फोन आ रहे हैं। और–और मैंने ध्यान दिया, और मेरे छोटे लड़के के पास मुट्ठी भर शीशे के मोती थे, वह बस उन्हें खा रहा था और चबा रहा था, वे शीशे के थे, और –और वह शीशे को निगल रहा था। और अतः हमने उसको पकड़ा और उसके छोटे से मुंह को धो कर बाहर निकाला। तब फिर रात्रि के अधिकतर भाग में हम उसके साथ में थे, अतः मैं इस प्रातः एक प्रकार से थका हुआ हूं।

3 और मुझे ठीक बारह बजे तुरन्त कैनटेकी के लिए प्रस्थान करना

है, और कैनटेकी में किसी नियोजन के लिए जाना है। और फिर इस आने वाले सप्ताह में हमारी सभाएं हैं।

4 और मैं अब बस प्रयत्न करना चाहता हूं, यदि मैं ऐसा कर पाऊं तो बस कुछ रात्रि तक बस बोलना चाहता हूं। ओह मेरे... मुझे ठंड नहीं लगी है। मैंने बस इतना अधिक प्रचार किया है कि मेरी आवाज बस चली गयी है। समझे, यह चार महीनों तक लगातार करना है, आप समझे। और अतः फिर उसके बाद फिर मुझे कैनेडा जाना है, और फिर अपनी नियमित सभाओं के लिए और विदेश जाने के लिए वापस आना है।

5 अब, जब मैं वहां पर बैठा हुआ था, लिओ और जीन से बातचीत कर रहा था, बस कुछ क्षणों पहले, मैं यहां उस वचन के लेख के विषय में सोच रहा था जो कि हम इस प्रातः उपयोग कर सकते हैं। यदि...अब पहले, मैं वहां पर एक मिनट के लिए बैठने जा रहा था, मैं बहुत थका हुआ था। और मैंने सोचा, ''वह बात ठीक नहीं लग रही है, मेरा वहां पीछे कमरे में बैठना, और सभा यहां बाहर हो। क्यों, प्रभु वहां पीछे शायद न आए। मैं वहां पर आना चाहता हूं जहां पर वह उपस्थित था।''

6 अतः मैं यह विश्वास करता हूं कि मैंने उन कारणों में एक को देख लिया है जो कि मुझे इस प्रातः यहां पर लेकर आएं हैं, भाई लिटिलफील्ड यहां पर हैं। और भाई लिटिलफील्ड वहां ऊपर टेनेसी से हैं, वहां पर जहां हमने एक बहुत बड़ी सभा हाल में एक उच्च विद्यालय की व्यायामशाला में करी थी। मैं बस उस शहर के नाम को नहीं बता पा रहा हूं। भाई लिटिलफील्ड, आप कहां से हैं? (भाई लिटिलफील्ड कहते हैं, ''क्लीवलैंड से।''—संम्पा) क्लीवलैंड। (''टेनेसी'') क्लीवलैंड टेनेसी।

7 और अतः हमारा वहां पर एक अद्‌भुत समय रहा था। और वह हैं...वह मुझे ''हेलो'' करने के लिए आ रहे थे, और अतः मैंने उन्हें बताया कि वह इस प्रातः यहां पर आएं। हम इस प्रातः कहीं पर जा रहे थे, कहीं और, और कुछ मित्रों के पास जिनको कि हम मिलना चाहते थे। प्रचार करने के लिए नहीं; बस मिलने के लिए, क्योंकि मैंने उनसे प्रतिज्ञा करी

थी। और फिर भाई लिटिलफील्ड यहां पर थे, और डाक्टर बीलैन्ड और वे लोग यहां पर थे। और अतः मैं बस आना चाहता था और इस प्रातः उन्हें देखना चाहता था, यही कारण था कि मैं यहां पर आया।

8 अतः अब कुरिन्थियों की पुस्तक में, बस उसके दसवें अध्याय में, और उसकी पहली चार या पांच आयतें। आईए हम बस उनके ऊपर कुछ छणों के लिए मनन करें, ताकि हमारे भाई को प्रचार करने का समय मिलने पाये।

अब आईये हम पहले बस उसकी उपस्थिति में अपने सिरों को झुकाएं।

9 आशीषित स्वर्गीय पिता, वास्तव में हम कृतज्ञ हृदयों के साथ आपके समक्ष नम्रता के साथ जीवन की अच्छी चीजों के लिए इस दिन धन्यवाद करने के लिए झुकते हैं। और हम इस बात का अहसास करते हैं कि जीवन स्वयं एक महान संघर्ष है। यदि हम यह एक प्रकार से नहीं कर रहे हैं, हम किसी दूसरे में इसे कर रहे हैं, परन्तु किसी महिमायुक्त दिन युद्ध समाप्त हो जाएगा। और हम यीशु को देखेंगे जिसको कि देखने की बाट हमने जोही है जबकि हमने उससे प्रेम किया है, और उसके साथ में परिचित हो गए हैं, और उसके संबन्धी हैं। और हमें यह जानकर बहुत खुशी होती है कि हम उसे किसी दिन देखेंगे।

10 अब आज, जबकि हम पुराने बांझ के वृक्ष के नीचे बैठे हैं, जैसे कि तब आराम करने के लिए हुआ करता था। जैसे कि ईब्राहीम वहां पर बैठा हुआ था, और परमेश्वर और दो स्वर्गदूत आए और उससे बातचीत करी। और प्रभु हम बस आपके इस प्रातः यहां पर आने की और हमारे हृदयों से अपने वचन के द्वारा बातचीत करने की अपेक्षा कर रहें हैं, जबकि हम उसके चारों ओर संगति कर रहे हैं।

11 हमारे प्रिय और प्यारे याजक को आशीषित करें। प्रभु, हम यह प्रार्थना करते हैं कि आप उन्हें सामर्थ और साहस प्रदान करेंगे। प्रभु, हम

आपसे यह प्रार्थना करते हैं कि आप इस छोटी सी कलीसिया को, और उसके सेवकों को और उन सब को जिनका संबन्ध यहां से हैं, आशीषित करेंगे, और उन सभी को जो कि यहां पर आते हैं; केवल यहां पर नहीं परन्तु दूसरे स्थानों पर भी, आपकी कलीसिया जो कि विश्व में है।

12 उन भाईयों को आशीषित करें जो कि हमसे यहां पर मिलने आए हैं और जो कि इस प्रातः इस सभा में हमारे साथ में हैं। हम आपसे यह प्रार्थना करते हैं कि आप उन्हें संभालेंगे और आप उन के साथ में होंगे। हमारे पापों को क्षमा करें, और अपने वचन के द्वारा हमसे बातचीत करें। हम यह मसीह के नाम में मांगते हैं। आमीन।

13 यदि मैं गलती नहीं कर रहा हूं तो भाई कोट्स इस प्रातः यहां पर बैठे हुए हैं। वह थे...दूसरी रात्रि उनके लिए प्रार्थना करने लिए वेटीरन अस्पताल गया था; कैन्सर। भाई और बहन कोट्स, आपको इस प्रातः यहां पर अन्दर देखकर हमे खुशी है।

14 अब कुरिन्थियों की पुस्तक में और दसवें अध्याय में, यह कुरिन्थियों कि पुस्तक सुधार की पुस्तक है। हमें कुरिन्थियों की पुस्तक को लेना चाहिए। यह सारे नए नियम में केवल एक ही कलीसिया थी जिसमें कि ऐसा प्रतीत होता है कि अगुवों को उनके साथ में इतनी अधिक परेशानी हुयी। परन्तु कुरिन्थियों हमेशा ही परेशानी में रहे। पौलूस, जब व उनके मध्य में आया, किसी के पास अन्य–अन्य भाषा थी, किसी के पास में भजन था, और किसी के पास में अनुभूति थी और सनसनाहट थी। और उसको हमेशा इन कुरिन्थियों को सीधे पथ पर रखने में परेशानी होती रही।

15 यदि हम ध्यान दें, वह कुरिन्थियों को गहरी बातें नहीं सिखा सकता था। वे बस एक–एक–एक बच्चे की तरह से थे। वे–वे...वह उनके साथ उस महान बात बातों के अन्दर, गहराई में नहीं जा सकता था, जिन संदेशों को उसने ईफीसियों को प्रचार किया था और रोमियों को बताया था, और उन्हें गहरी बातें बतायीं थीं, क्योंकि वे उसे ग्रहण करने के योग्य

नहीं थे। वे–वे उन छोटी सनसनाहटों और उस प्रकार की बातों के ऊपर बहुत अधिक निर्भर थे। बस, ''अच्छा, प्रभु का धन्यवाद हो, मुझे मिल गया! मेरे–मेरे पास एक प्रकाशन आया। मेरे पास एक भजन है। मेरे पास एक भविष्यवाणी है।''

16 और पौलूस ने कहा, ''यह सब बातें जाती रहेंगी।'' समझे? उनमें से हर एक बात, उनपर बस बहुत अधिक भरोसा नहीं किया जा सकता है। और अतः, परन्तु, वह जिस बात पर कलीसिया को लाना चाह रहा था, वह लंगर था, जहां पर हम–यहां पर हमारे पास मसीह में एक लंगर होता है, जहां पर हम सनसनाहटों पर भरोसा नहीं करते हैं। हम प्रकाशनों पर भरोसा नहीं करते हैं। हम इन बातों पर भरोसा नहीं करते हैं। केवल हम मसीह में भरोसा करते हैं। विश्वास के द्वारा हम वहां पर जाते हैं। बस...

17 हम यह ध्यान करते हैं कि पौलूस इफीसियों को वहां पर सिखा सकता था, किस प्रकार से संसार की उत्पत्ति से पहले, उनको परमेश्वर के लेपालक पुत्र होने के लिए पहले से ठहराया गया था। अब, वह... कुरिन्थियों को उस बात के विषय में कुछ भी पता नहीं था। वे बस...उनके पास किसी अनुभव का होना आवश्यक था, या किसी और बात का, छोटी सी सनसनाहट का, इस बात का, उस बात का और किसी दूसरी बात का होना आवश्यक था। और वे उस बात पर निर्भर थे। वह उन्हें गहरी बातें नहीं सिखा सकता था।

18 अतः मैं सोचता हूं, यह एक महान बात है...जब आपके पास लोग होते हैं जिन्हें आप गहरी बातें सिखा सकते हैं, और पवित्र आत्मा उन महान सत्यों को ले सकता है, और लोगों के हृदयों में उसका लंगर डाल देता है, ताकि वे यह जान जाते हैं कि वे कहां पर खड़े हुए हैं। सनसनाहट हो यह न हो, भविष्यवाणी हो या न हो, या जो भी कुछ क्यों न हो, कुछ भी। तब, हम नहीं...अब स्मरण रखें, हम नहीं हैं...मैं यह कहने का यत्न नहीं कर रहा हूं कि परमेश्वर भविष्यवाणीयों के जरिये और उस प्रकार की चीजों के जरिये, व्यवहार नहीं करता है, परन्तु हम उसपर

निर्भर नहीं करते हैं। हमारे पास उस बात से ज्यादा गहरी पकड़ है, आप समझे। क्योंकि उसने कहा, ''जहां भविष्यवाणीयां हैं तो वे समाप्त हो जाएंगी। जहां भाषाएं हों तो वे जाती रहेंगी। और जहां पर...

19 और यह सारी सनसनाहटें जो कि कुरिन्थियों के पास में थीं, उनमें से एक भी इस बात का प्रमाण नहीं था कि उनका उद्धार हो चुका है। उनमें से एक भी इस बात का प्रमाण नहीं था कि उनका उद्धार हो चुका है। नहीं...यदि आप चिल्ला सकते हैं, यदि आप भविष्यवाणी कर सकते हैं, यदि आप बिमारों को चंगा कर सकते हैं, यदि आप अन्य भाषाओं का अनुवाद कर सकते हैं, यदि आपके पास बुद्धि हो, उनमें से एक भी बात का यह अर्थ नहीं है कि आप का उद्धार हो चुका है; उनमें से एक भी यह प्रमाण नहीं है। आप के पास उनमें से हर एक हो सकता है, और फिर भी आप भटके हुए हो सकते हैं, पौलूस ने पहले कुरिन्थियों 13 में ऐसा कहा है। ''मैं कुछ भी नहीं हूं,'' समझे।

20 परन्तु आपके पास प्रेम होता है, जो कि एक लंगर है! इस प्रातः एक घंटे तक इससे पहले कि पत्नी जागती, मैं जग गया। और प्रभु मुझको कुछ प्रगट कर रहा था, कुछ महान बात कि कैसे परमेश्वर अपनी कलीसिया को एक साथ प्रेम के बंधनों में बांधता है, और उसे किस प्रकार से होना चाहिए। मनुष्य के लिए बिना नया जन्म पाए उद्धार पाने के लिए कोई दूसरा तरीका कभी भी नहीं हो सकता है। परमेश्वर की इच्छा हुई तो मैं इस बात पर इस आने वाले सप्ताह में प्रचार करना चाहता हूं। और बस यह बात मेरे हृदय में कार्यान्वित हो रही है। शायद प्रभु उस पर मुझे एक संदेश देने जा रहा है।

21 अब, यह संदेश जो कि इस प्रातः है, जैसे कि यह संदेश मेरे हृदय में वहां पर आया था, यह चेतावनी का संदेश है। और मैंने सोचा कि शायद मैं इस चेतावनी को लोगों तक पहुंचा दूं, जैसे कि पौलूस इन कुरिन्थियों को चेतावनी दे रहा था। यदि हम इस चेतावनी को लोगों तक पहुचा दें, यह जानते हुए कि हम अब एक बेदारी का सामना कर रहे हैं, और यह जांचने का समय है, जबकि हमको जांचा जाना चाहिए। अब

पौलूस ने कहाः

हे भाइयों, मैं नहीं चाहता कि तुम इस बात से अज्ञात रहो, कि हमारे सब बापदादे बादल के नीचे थे, और सब के सब समुद्र के बीच से पार हो गए।

और सब ने बादल में, और समुद्र में मूसा का बपतिस्मा लिया;

22 अब, वह उन्हें यह समझ दे रहा है कि जब परमेश्वर इस्राएल को जंगल से बाहर ले गया, जंगल में उसकी सेवा करने के लिए ले गया, और उन्हें प्रतिज्ञा किए हुए देश में ले जोने के लिए ले गया। वे...वह यहां पर एक उदाहरण दे रहा है, कि जिस प्रकार से हम सब भौतिक वस्तुओं में से बाहर निकाले जाते हैं, सारे रीति–रिवाजों में से, और आज्ञाओं में से, वे सब वहीं थीं। और हम अपने अध्याय में और आगे जाने पर यह पाते हैं, कि उनमें से बहुतेरे नाश हो गए। क्योंकि वे सभी रीति–रिवाजों को कर सकते थे, और सारी आज्ञाओं का पालन कर सकते थे, और उन सभी बातों का पालन कर सकते थे जिनको कि परमेश्वर को आवश्यकता थी, और फिर भी उनके हृदय परमेश्वर के साथ ठीक नहीं थे।

23 अब हम बहुत सी बातों को कर सकते हैं। हम प्रभु–भोज़ ले सकते हैं। हम बपतिस्मा ले सकते हैं। हम आ सकते हैं–हम गिरजे आ सकते हैं, अपने नामों को पुस्तक पर लिखवा सकते हैं, या बस जितने अधिक आदरयुक्त और श्रद्धालु हो सकते हैं जितने कि हम हो सकते हों, और फिर भी भटके हुए हों। यह गंभीर चेतावनी है। हम बस उतने अधिक हो सकते हैं...बस आनंदित हो सकते हैं जब कि आत्मा गिरता है, और उस सभा में जहां पर वचन का प्रचार किया जा रहा है, और हमारे प्राण बस वचन के द्वारा बस बहुत आनंदित हो सकते हैं, और फिर भी भटके हुए हो सकते हैं।

24 ''वर्षा धर्मी और अधर्मी पर पड़ती है।'' वही वर्षा जो कि गेहूं को उगाती है, वहीं जंगली पौधों को भी उगाती है। यह उत्पादन का स्वभाव

होता है, समझे। यह उस चीज का स्वभाव होता है जो कि हमें बताता है कि हम क्या हैं। इसलिए, यह वह स्वभाव होता है जो कि हमारे अन्दर पाया जाता है, जो कि हमको बताता है कि हम क्या हैं। समझे? नहीं.

25 हम इतने अधिक धर्मी हो सकते हैं जब तक कि हम अपने हाथों को किसी कार्य को करने के लिए रविवार को हिलाते तक न हों। हो सकता है कि हम रविवार को अपने कपड़ों में एक सिलाई तक न लगाते हों। हो सकता है कि रविवार को भोजन खरीदने में हमें धार्मिक अनुभूति न होती हो। और हो सकता है कि हम इतने अधिक धार्मिक और इतने अधिक धर्मनिष्ठ हों! परन्तु फिर भी, यदि हमने वास्तविक रूप में परमेश्वर की आत्मा से नया जन्म नहीं प्राप्त किया है, हम बस व्यर्थ में आराधना कर रहे हैं।

26 अतः अब यह बहुत ही कठोर बात है। और हम वास्तव में उसका पता लगाना चाहते हैं और सत्य को जानना चाहते हैं। क्योंकि, स्मरण रहे, हमको इस बात में दूसरा मौका नहीं मिलने जा रहा है। यह बस इस बार है, अतः अच्छा होगा कि आप वास्तविक रूप में निश्चित हो जाएं।

अब ध्यान दें, ''हे भाइयों, मैं नहीं चाहता कि तुम इस बात से अज्ञात रहो।''

27 अब यह कुरिन्थियों के लोग, मैंने पहले स्थान पर क्या कहा था? वे अपनी अनंत आशाओं को किसी सनसनाहट पर आधरित कर रहे थे। पौलूस ने कहा, बस...वहां पर कहा, ''जब मैं तुम्हारे मध्य में आता हूं, एक के पास *यह* होता है, और एक के पास *वह* होता है। और एक–एक..'' कहा, अब, सभी...यह ठीक बात है। हमारे पास उस बात के विरोध में कुछ नहीं है। परन्तु फिर भी, यह वह बात नहीं है जिसके विषय में हम बातचीत कर रहे हैं। समझे? यह वह बात नहीं है।

28 मुझे स्मरण है जबकि मैं पहली बार परिवर्तित हुआ था। और मैंने आत्मा के कार्यों को देखना आरंभ किया था, और कैसे यह बात होती थी

कि कुछ लोग बस सच्ची वास्तविक आत्मा की नकल करते थे, और इस प्रकार से करते थे कि उस बात ने ...कर दिया। क्यों, यह बताना असंभव था कि कौन गलत है और कौन सही है, मुश्किल बात थी।

29 और मैंने एक व्यक्ति को देखा जिसे कि मैं जानता था, और मैंने. ..और मनों के गुप्त विचारों के परखने के द्वारा मैं यह जान गया कि यह व्यक्ति किसी और व्यक्ति की पत्नी के साथ रह रहा था। और वह यहां पर खड़ा हुआ था और अन्य–अन्य भाषा में बोल रहा था और अनुवाद कर रहा था, और सभी कुछ कर रहा था, और संदेशों को दे रहा था। और उसने...और मैं दूसरे व्यक्ति को एक ऐसे स्थान पर लाया जहां पर मैं उससे कुछ छणों तक बातचीत कर सकता था, और, वह एक सच्चा वास्तविक मसीही था।

30 और मैंने सोचा, ''कैसे आत्मा कर सकता है, वही आत्मा जहां पर मैं...'' यह तब था जब मैंने पहली बार पिन्तेकुस्त को देखा था। और वह मिशावाका ईन्डियाना में था। और मैं आपको बताता हूं, उस बात ने निश्चित रूप में... पहले कुछ घंटो तक जब मैं वहां पर रहा था, मैंने सोचा, मैं स्वर्गदूतों के मध्य में हूं। और अगले कुछ घंटों में मैंने सोचा कि मैं शैतानों के मध्य में हूं, जब मैंने उस बात को देखा था। इन दो व्यक्तियों को देखा था, एक संदेश दे रहा था, एक अनुवाद कर रहा था।

31 मैंने कभी भी अन्य–अन्य भाषाओं में बोले जाने को और उस प्रकार की बातों को पहले कभी नहीं सुना था। मैंने उन आत्माओं को देखा, वे कैसे चल रहीं थीं। मैंने सोचा, ''ओह मेरे परमेश्वर! क्यों, सहस्त्राब्दि का आरंभ हो गया है।'' और फिर जब मुझे बाहर उनमें से एक से बात करने का मौका मिला, और मैं यह बता सकता था कि वह किस चीज का बना हुआ था, उनमें से एक जितना शैतानी हो सकता था, वह था।

32 और–और उस रात्रि, मैंने उन्हें फिर से देखा, और मैंने सोचा, ''ओह, मुझे यहां से बाहर निकालो। मैं यह समझ नहीं सकता हूं कि यह

कैसे हो सकता है।'' और मैंने देखा कि वे बातें बाईबिल में थीं। और यहां पर एक था जो कि उन बातों को कर रहा था, जिसके पास परमेश्वर का आत्मा नहीं था; और दूसरा उस बात को कर रहा था, और उसके पास परमेश्वर का आत्मा था। तब फिर मैं पूर्ण रूप से चकरा गया। और मैंने उस संपूर्ण बात को जाने दिया।

33 और वर्षों के बाद, जब बाढ़ समाप्त हो गयी, मैं जा रहा था, ग्रीन्स मिल जाने वाली सड़क पर जा रहा था। श्रीमान आईलर, जो कि राज्य के सीनेट सदस्य थे, वे यहां गिरजे में आते हैं। उनसे मेरी मुलाकात सड़क पर हुयी, और उन्होंने अपने हाथों को मेरे चारों ओर डाल दिया। कहा, ''बिली, मसीह का अब तुम्हारे लिए क्या अर्थ है?'' मेरे पिता जा चुके थे। मेरा भाई जा चुका था। और मेरी पत्नी जा चुकी थी। मेरी बच्ची जा चुकी थी। और मैं...

कहा, ''उसका क्या अर्थ है?''

34 मैंने कहा, ''श्रीमान आईलर, उसका अर्थ मेरे लिए जीवन से भी अधिक है।'' मैंने कहा, ''मेरे अन्दर कुछ घटित हुआ है। कुछ वर्ष पहले, मसीह मेरे हृदय में आ गया है। और मैं–मैं...यह बात बस उससे भी ज्यादा है जितना कि मैं स्वयं हूं। यह बस वह बात है जो कि घटित हुयी है। यह इसलिए नहीं था कि मैं धार्मिक था। ऐसा नहीं था। यह बस वह बात थी जिसको कि परमेश्वर ने अनुग्रह के द्वारा मेरे लिए करी।'' और मैंने कहा, ''चाहे वो मुझे घात भी कर दे, मैं उसपर उसी प्रकार से विश्वास करता रहूंगा। और यदि मैं नर्क में होता, और नर्क में प्रेम के जैसी कुछ चीज होती, मैं उससे फिर भी प्रेम करता। यही सब कुछ है। यह कुछ वह बात है जो कि यहां अन्दर है। वह ठीक है। मैं उस हर एक सजा के योग्य था जो कि मुझे मिली। आप उसी बात को करें। परन्तु यदि वह लंगर, वह कुछ चीज, वह परमेश्वर के प्रेम का लंगर, जो कि मानवीय हृदय को थामता है। दूसरी बातें बस दूसरे स्थान पर होती हैं।

35 वहां पर लकड़ी के लट्ठे पर बैठे हुए, मैं किसी और बात के लिए प्रार्थना कर रहा था। और मेरी बाईबिल खुल गई, और मैं...इब्रानीयों की पुस्तक उसके छठे अध्याय में पढ़ रहा था। और मैं वहां पर यह पढ़ रहा था कि कैसे, ''क्योंकि जिन्होंने एक बार ज्योति पायी है, और जो स्वर्गीय बरदान का स्वाद चख चुके हैं और पवित्र आत्मा के भागी हो गए हैं। यदि वे भटक जाएं तो उन्हें मन फिराव के लिए नया बनना अनहोना है। क्योंकि जो भूमि वर्षा के पानी को जो उस पर बार बार पड़ता है, पी पीकर जिन लोगों के लिए वह जोती–बोई जाती है, उन के काम का साग पात उपजाती है, वह परमेश्वर से आशीष पाती है। पर यदि वह झाड़ी और ऊंटकटारे उगाती है, तो निकम्मी और स्रापित होने पर है, और उसका अन्त जलाया जाना है।''

36 और पवित्र आत्मा मुझसे उस विषय में बातचीत करता रहा। ''वह क्या बात है?'' मैंने उस बात को फिर से पढ़ा। और दर्शन आया। और मैंने संसार को अपने सामने घूमते हुए देखा। वह पूरी तरह से समतल था, और जैसे कि उसमें जुताई की गई हो और बोने के लिए तैयार हो। और एक व्यक्ति सफेद वस्त्रों में बीज बोने के लिए निकला। जब वह पृथ्वी की गोलाई के चारों ओर गया, एक और व्यक्ति काले वस्त्र पहने हुए आया जो कि बीजों को बो रहा था। और जो बीज जो कि अच्छे व्यक्ति ने बोए थे बड़े हुए, वे गेहूं थे। और जो कि बुरे वाले थे, जो कि काले व्यक्ति ने बोए थे जब बड़े हुए, और वह काले वस्त्र पहना हुआ था। वह ऊपर आए, और वह जंगली पौधे थे। और ओह, एक दूसरे के विपरीत थे।

37 और दर्शन में एक महान आकाल आया। और छोटे गेंहूं के पौधे ने अपने सिर को झुका लिया; वह बस पीने के लिए बहुत अधिक प्यासा था। और जंगली पौधों ने अपने सिर को नीचे झुकाया; वह पीने के लिए प्यासा था। तब फिर एक बड़ा बादल ऊपर आया, और वर्षा हुयी। और छोटे सा गेहूं ऊपर उठा और चिल्लाने लगा, ''प्रभु की स्तुति होवे! प्रभु की स्तुति होवे!'' वह उस पानी को पाकर बहुत आनंदित था। और छोटे से जंगली पौधा खड़ा हुआ, चिल्लाने लगा, ''प्रभु की स्तुति

होवे! प्रभु की स्तुति होवे!'' उसी पानी के लिए।

38 तब फिर मैं समझ गया। समझे? वह बात उस प्रकार से है। पवित्र आत्मा गिरेगा, परन्तु, ''उनके फलों से तुम उन्हें पहचानोगे, ''प्रभु यीशु ने ऐसा कहा था। समझे? समझे? आत्मा की प्रतिक्रिया से नहीं, चाहे वे बिमारों को चंगा करते हों, या चाहे वे अन्य–अन्य भाषाओं में बोलते हों, या चाहे वे आत्मा में गातें हों, या चाहे वे इस प्रकार से या उस प्रकार से आनंदित होते हों। वे उन सभी बातों को कर सकते हैं और फिर भी भटके हुए हो सकते हैं। यह वह जीवन है जो कि आपके अन्दर होता है, नये जन्म का अनुभव।

39 अब, पौलूस कुरिन्थियों को इस बात को बताना चाह रहा था। ''मैं...''

हे भाइयों, मैं नहीं चाहता...मैं नहीं चाहता कि तुम इस बात से अज्ञात रहो, कि कैसे...हमारे सब बापदादे बादल के नीचे थे, और ...सब के सब समुद्र के बीच से पार हो गए।

और ... समुद्र में मूसा का 'बपतिस्मा लिया...

40 उन में हर एक जंगल में गया था। यीशु ने कहा, ''वे सभी जो कि 'प्रभु, प्रभु,' करते हैं, प्रवेश नहीं करेंगे। परन्तु वही जो कि मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा को पूरी करता है।'' यह वह बात नहीं है जो कि आप कहते हैं। आप सुसमाचार का प्रचार कर सकते हैं और फिर भी भटके हुए हो सकते हैं। निश्चित रूप से।

41 यह बस छोटे बच्चों की चीजें नहीं हैं। यह पूर्ण रूप से है...यह गहरी बात है। और मसीहीयत कोई छोटी सी, हल्की सी मनगड़न्त बात नहीं है जैसे कि, ''अच्छा, मैं गिरजे जाऊंगा, और मैं जानता हूं कि वहां पर जाना मेरा कर्तव्य है।'' यह मसीहीयत नहीं है। भाई, यह मसीहीयत नहीं होती...

42 यह कुछ वह बात है जो कि परमेश्वर ने करी है। परमेश्वर ने आप को मसीह में चुना है, और प्रेम रूपी उपहार के रूप में मसीह को दे दिया। और यदि...यह परमेश्वर की बुलाहट है, चुनाव है! और यदि हमारे पास उस प्रकार के व्यक्ति बनने का अवसर है, और फिर हम उसे संसार की छोटी सी चीजों के लिए ठुकारा देते हैं? अब जबकि हम आगे बड़ते हैं, आप सुनें।

और सभी ने एक ही आत्मिक मन्ना *में से खाया;*

43 क्या आप ने उस बात को सुना? तीसरी आयत।

और सभी ने एक ही आत्मिक मन्ना *में से खाया;*

44 वह किस के विषय में कह रहा है? कलीसिया के रीति रिवाजों के विषय में। लोग गिरजे आते हैं और यह कहते हैं कि उन्होंने मन फिराया है, और मसीह में प्रभु यीशु मसीह के नाम का बपतिस्मा लिया है। ''और उन्होंने वैसा उस जंगल में भी किया।'' पौलूस ने कहा। वही बात कुरिन्थियों ने करी थी। वे अन्दर आए थे और मसीह में बपतिस्मा लिया था। मसीह को बाहरी रूप से ग्रहण किया था। उसे व्यवसायिक रूप में ग्रहण किया था। बौद्धिक रूप में उसे ग्रहण किया था।

45 परन्तु भाई, यह बुद्धिजीवी होने से कहीं ज्यादा है। यह उस बात से बहुत परे है। इसमें वास्तविक रूप में एक–एक जन्म होता है, यह बस दिमागी विचारधारा या एक भावात्मक कार्य नहीं होता है। परन्तु यह एक जन्म होता है, अनुभव होता है, कुछ ऐसी बात होती है जो कि हृदय के ठीक अन्दर जाती है और अंदरूनी व्यक्ति को बदल देती है, दूसरे शब्दों में वह आपको वह बात करवाता है जो कि आप नहीं करना चाहते। यह आपको उन से प्रेम करवाता है जिनसे प्रेम किया नहीं जा सकता। यह आपको विभिन्न रूप में व्यवहार करवाता है जितना कि आपने कभी सोचा भी नहीं होता है कि आप ऐसा करेंगे।

46 और जब स्थितियां खड़ी होती हैं, यह आपका लंगर होता है। आप को यह आश्चर्य नहीं करना होता है, ''क्या मैं यह कर पाऊंगा?'' ओह नहीं। यह वह बात नहीं कि क्या मैं ऐसा कर पाता हूं कि नहीं। यह मेरे लिए पहले से ही बनाया हुआ है। मसीह जो कि मुझमें है, उसने यह स्वयं बनाया है, और मैं बस उसके लंगर में केवल विश्वास करता हूं। क्या ही अद्‌भुत बात है!

47 ध्यान दें, उन सब ने प्रभु–भोज लिया था। वह प्रकाश जो कि वहां था...हम जानते हैं कि वह प्राकृतिक प्रक्रिया थी, क्योंकि वह एक छोटी सी पाले के जैसी चीज थी जिसकी वर्षा स्वर्ग से होती थी, छोटे से टुकड़े जिनपर शहद लगा हुआ होता था। वह... वह रोटी बस एक बिस्कुट के सामान होती थी, एक छोटा सा बिस्कुट, और उसके ऊपर शहद लगा हुआ होता था। और उन सभी ने उस में से खाया। हर एक जन लाल सागर में होकर गया, और सब ने बादल में और समुद्र में मूसा का बपतिस्मा लिया। परमेश्वर के दास के रूप में उसके निर्देशों का पालन किया, उन सभी का बपतिस्मा उसमें हुआ था। वे सभी अनुकरण करने वाले थे, जैसे कि हम आज कर रहे हैं, पवित्र आत्मा के द्वारा अगुवाई हो रही है, जो कि मसीही कलीसिया का महान प्रशिक्षक है। हमारी अगुवाई पानी के बपतिस्में तक उसके बीच में होकर जाने के द्वारा हो रही है।

और उसने कहा, ''और उन सभी ने एक ही आत्मिक भोजन किया।'' ...

48 उसने क्या किया था? वह मन्ना कोराह और उसके झुण्ड के लिए भी गिरता था, ठीक उसी प्रकार से जैसे कि वह मूसा, कालेब और यहोशु के लिए गिरता था। वे सभी आपस मिले जुले थे, सभी ने बपतिस्मा लिया; सभी सदस्यता के भागी थे; सभी अंगीकार करने में भागी थे।

49 अब सभी प्रभु–भोज के भागी थे। आप समझ गए? इस गंभीर चेतावनी को देखें। और आराधनालय के लोगो, आप उस बात को नीचे

तक गहराई में बसा लें। स्मरण रखें, यह आपका अनंत गन्तव्य स्थान है जो कि उस बात पर टिका हुआ है। आप उस बात को बस जाने न दें जैसे कि वह एक छोटी सी बाड़ या कुछ चीज है। यह वह बात है जिसके प्रति हमें आदर के साथ आना होगा। यह कुछ ऐसी बात है जिसका यह अर्थ है कि हम आज के बाद जीवित रहेंगे कि नहीं।

50 उन सभी ने लाल समुद्र में मूसा का बपतिस्मा लिया था। उन सभी ने उस आत्मिक जीव, जो कि बादल और आग का स्तंभ था, अनुकरण किया । उन सभी की अगुवाई एक ही स्वर्गदूत के द्वारा हुई थी। वे सभी एक ही याजक के द्वारा निकल कर आए थे। उन सभी का बपतिस्मा समुद्र में हुआ था। उन सभी ने एक ही आत्मिक भोजन किया था। और वह मन्ना मसीह था। मसीह नीचे आता था, मन्ना स्वर्ग से लोगो को उनके सफर में पोषित करने के लिए हर रात्रि नीचे आता था, और वे यहां पर नाश हो गए।

51 और मसीह स्वर्ग से आया और अपने जीवन को दिया, ताकि, ''जो कोई उसपर विश्वास करे वो नाश न हो परन्तु अनंत जीवन पाए।'' मसीह नीचे आया और हमारा मन्ना बन गया, ताकि हम इन एक ही आत्मिक आशीषों में से खाने पाएं।

52 इसीलिए, पवित्र आत्मा ठीक लोगो के मध्य में गिर सकता है, और दोनो मसीही और गुनगुने और आधे विश्वासी, और सीमा रेखा विश्वासी उसी एक में से खाते हैं। परन्तु उस बात का अर्थ अभी भी वह नहीं है। ओह, मैं आशा करता हूं कि मेरे पास शब्द होते, कि मैं इस बात को आपको अच्छी तरह से समझा दूं और यहां पर उपस्थित हर एक जन के हृदय में कस कर बांध दूं। और यह देखिए कि कितनी अधिक गहरी बात है। यह वह बात नहीं है जिसके साथ में खिलवाड़ किया जा सके। यह बस गिरजे जाना नहीं होता है।

53 अब सुनिए। उन सभी ने एक ही आत्मिक भोजन किया। उस के विषय में सोचें, आत्मिक भोजन!

54 ''ओह,'' आप कहते हैं, ''मैं जानता हूं कि मेरा उद्धार हो चुका है। हालेलुइया! मैं आत्मा में चिल्लाया। मैंने यह अनुभव किया।'' इस बात का उससे कुछ भी लेना देना नहीं है। आप समझे कि किस प्रकार से हम अपने गन्तव्य स्थान को किसी सनसनाहट के ऊपर आधारित करते हैं? क्या आप देख सकते हैं, इस दिन में जिस में हम रह रहे हैं कि कैसे लोग अपने गन्तव्य स्थान को बस एक छोटी सी सनसनाहट पर आधरित कर रहे हैं? ''ओह,'' कहते हैं, ''मैं जानता हूं कि मुझे वह मिल गया, क्योंकि मुझे–मुझे अनुभव हुआ कि सामर्थ मेरे अन्दर से होकर गयी।'' हो सकता है कि वह बिलकुल ठीक बात हो, और आप अभी भी भटके हुए हों।

55 ओह, यदि हमारे पास बस एक छण होता। आइये हम यहां पर बस कुछ छणों के लिए पहला कुरिन्थियों 13 निकालें, और ठीक यहां पर यह सुने कि पौलूस को उस बात के विषय में क्या कहना है।

यदि मैं मनुष्यों और स्वर्गदूतों की बोलियां बोलूं, और प्रेम न रखूं, तो मैं ठनठनाता हुआ पीतल और झंझनानी हुई झांझ हूं।

...और यदि मैं भविष्यवाणी कर सकूं, और सब भेदों और सब प्रकार के ज्ञान को समझूं, और मुझे यहां तक पूरा विश्वास हो, कि मैं पहाड़ों को हटा दूं, परन्तु प्रेम न रखूं, तो मैं कुछ भी नहीं।

56 उस सख्त बूढ़े प्रेरित को देखिए जो कि इस सनसनाहट से भरी हुई कलीसिया में इस बात को समझा रहा है, जो कि अपनी आशाओं को किसी सनसनाहट पर आधारित कर रहे थे। अब, यह सन्डे स्कूल है। यह सुधार का स्थान है। यह शिक्षा का स्थान है। और उस व्यक्ति पर हाय जो कि मंच पर खड़े होता है और पथभ्रष्ट करता है। भाई, यह वह समय है जब हम वचन से वचन की तुलना करें। यह ठीक बात है।

और यदि मैं अपनी संपूर्ण संपत्ति कंगालों को खिला दूं, या अपनी

देह जलाने के लिए दे दूं और प्रेम न रखूं तो मुझे कुछ भी लाभ नहीं है।

57 समझे, आपके सारे अच्छे कार्य, आपके सारे अच्छे कर्म, सारी वह अच्छी आत्मिक चीजें जो कि आपके पास मे हैं, सारे वरदान जो कि आपके पास में हैं, सारी सनसनाहटें जो कि आपके पास में हैं, सारा आनंद जो कि आपके पास में हैं, सारी शान्ति जो कि आपके पास में हैं, आरंभ से ही उसका उस बात से कुछ भी लेना देना नहीं है।(टेप में रिक्त स्थान–संम्पा)

58 उस के विषय में बस एक छण के लिए सोचिए। और कलीसियाओं के विषय में सोचें, हमारी महान कलीसियाएं, प्रेसबेटेरियन, मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट और नामधारी गिरजे, वे यह सोचते हैं कि चूंकि वह कहते हैं, ''मैं विश्वास करता हूं,'' और वे अन्दर आते हैं, अपना नाम पुस्तक पर लिखवाते हैं, बस मामला वहीं पर समाप्त हो जाता है। वे कितने अधिक दूर हैं!

59 हमारे पिन्तेकोस्तल लोग यह सोचते हैं, अच्छा, चूंकि उनको एक छोटी सी सनसनाहट हुई है, उनको अच्छी अनुभुति हुई है, उन्होंने अन्य भाषाओं में बोला है, उनके हाथों पर लहु आया है, उनके चेहरे पर थोड़ा सा तेल आया है, या कुछ ऐसी बात हुई है कि, ''हमें मिल गया।'' ओह, वे सौ लाख मील दूरी पर हैं! आप समझ गये? देखिए कि कैसे शैतान ने, जो कि इस युग का ईश्वर है, उनकी आंखों को अन्धा किया हुआ है, और वे ठीक उसी प्रकार से जीवन को जीते चले जा रहे हैं। सुनिए।

और यदि मैं अपनी संपूर्ण संपत्ति कंगालों को खिला दूं या अपनी देह जलाने के लिए दे दूं और प्रेम न रखूं तो मुझे कुछ ...भी लाभ नहीं है।

60 उन सभी वरदानों को देखें, उन सभी अच्छी चीजों को। ''मैं निर्धनों को भोजन खिलाता हूं। मेरे विषय में यह बात है कि मेरा हृदय

बहुत अच्छा है। मैं यह करता हूं। मैं वह करता हूं। मैं गिरजे जाता हूं। मैं अन्य–अन्य भाषा में बोलता हूं। मैं भविष्यवाणी करता हूं। मैं बिमारों को चंगा करता हूं। मैं सुसमाचार का प्रचार करता हूं। मैं इन बातों को करता हूं।'' पौलूस ने कहा, ''फिर भी मैं कुछ नहीं हूं।'' इन सभी चीजों की शारीरिक रूप से नकल की जा सकती है। अब वह क्या कहता है?

प्रेम धीरजवन्त है, और कृपाल है; प्रेम डाह नहीं करता; प्रेम अपनी बड़ाई नहीं करता है, और फूलता नहीं है।

वह अनुरिति नहीं चलता, वह अपनी भलाई नहीं चाहता, झुंझलाता नहीं है, बुरा नहीं मानता;

61 भाईचारे की प्रीति, प्रेम। प्रेम क्या है? यह परमेश्वर है? परमेश्वर आपके पास में कैसे आता है? एक जन्म के द्वारा। समझे?

62 अब, उन सभी ने मूसा का बपतिस्मा लिया था। उन सभी ने प्रभु–भोज लिया था। उन सभी के पास एक ही आत्मिक भोजन था जो कि परमेश्वर के पास से आया था। उनमें से हर एक ने एक ही चीज खायी थी।

63 और आज, हम चारों ओर खड़े होते हैं और वचन को सुनते हैं, और उसपर आनंदित होते हैं, और मन्ना को लेते हैं और उसे खाते हैं, और कहते हैं, ''ओह, हालेलुइया! वह बहुत अच्छा है। ओह, मैं उस बात की प्रशंसा करता हूं। हां, मेरा बपतिस्मा कलीसिया में हुआ था। मैं–मैं अपने कार्य को लेता हूं और उसे करता हूं। मैं अपना नाम पुस्तक पर लिखवाया है। मैं विशेष सदस्य हूं।'' वह सब कुछ व्यर्थ है यदि कुछ ऐसी बात नहीं है जो कि परमेश्वर ने करी हो। यदि ऐसा है...वे चीजें तो आपने करी थीं। वे वह चीजें थीं जिनको कि आपके विश्वास ने उत्पन्न किया था।

परन्तु जबतक परमेश्वर ने आपके लिए कुछ नहीं किया है, नया

जन्म! बस एक छण। अब चौथी आयत।

और सब ने एक ही आत्मिक जल पीया, क्योंकि वे उस आत्मिक चट्टान से पीते थे, जो उन के साथ–साथ चलती थी; और वह चट्टान मसीह था।

65 उन सभी ने उस सोते में से पीया, वे आनंदित हुए। तब फिर उस बात का क्या अर्थ है? गेहूं और जंगली पौधे दोनो आत्मिक जल को पाकर आनंदित हुए। हम गिरजे जाते हैं। हम बाकि सभी के साथ ताली बजाते हैं। (भाई ब्रन्हम अपने हाथों से तीन बार ताली बजाते हैं–संम्पा) हम बाकि सभी के साथ मिलकर फर्श पर ऊपर और नीचे कूदते हैं। हम बाकि सभी के साथ मिलकर परमेश्वर की स्तुति करते हैं। हम बाकि सभी के साथ मिलकर भविष्यवाणी करते हैं। हम बाकि सभी के सामान अन्य–अन्य भाषा में बोलते हैं। हम बाकि सभी के सामान बिमारों के लिए प्रार्थना करते हैं। परन्तु उसने कहा...अब सुनें, जबकि हम थोड़ी दूर और चलकर जाते हैं।

66 अब...मैं एक मिनट के लिए रूकना चाहता हूं, ओह उस बात पर, ''वह चट्टान मसीह था।'' वह चट्टान मसीह था। वह वहां पर शाब्दिक तौर पर था, जैसे कि वह आज आत्मिक रूप में है। मन्ना, वह भोजन; जो कि वचन है जो कि परमेश्वर के पास से स्वर्ग से आता है। मसीह परमेश्वर का वचन है, और हम वचन को खाते हैं? समझे? हम बैठते हैं, जैसे कि हम संदेश में इस प्रातः बैठे हुए हैं, हम सुनते हैं। हमारे प्राण जाते हैं और वचन को पकड़ लेते हैं। हम वचन के द्वारा जीतै हैं। उसने कहा, ''वे सभी एक ही आत्मिक भोजन में से खाया करते थे, और उन सभी ने जल पीया। और सब ने एक ही आत्मिक जल पीया, क्योंकि वे उस आत्मिक चट्टान से पीते थे, और वह चट्टान मसीह था।'' जरा उस के विषय में सोचें।

67 अब वह क्या करने जा रहा है? यहां पर उस बात को अन्त करने जा रहा है। वह उन कुरिन्थियों को चेतावनी दे रहा है, ''सावधान

रहो कि तुम क्या कर रहे हो। जब मैं तुम्हारे मध्य में आता हूं, एक के पास भजन होता है, एक के पास अन्य भाषा होती है, एक के पास यह होता है, एक के पास वह होता है, एक के पास भविष्यवाणी होती है, एक के पास प्रकाशन होता है, एक यह कर रहा होता है, एक वह कर रहा होता है।'' सावधान रहो। अपना विश्वास उस बात पर आधारित न करो, वे सभी चीजे ठीक हैं। उनका स्थान है, और कलीसिया में है, परन्तु कभी भी अपने उद्धार को उस बात पर आधारित न करो। यदि तुम्हारा जीवन परमेश्वर के वचन से मेल नहीं खाता है, तब फिर परमेश्वर के साथ ठीक होने का यही समय है।

68 अब ध्यान दें। और यह चट्टान, यह वह चट्टान थी जो कि जंगल में थी।

69 और मैं चाहता हूं कि आप ध्यान दें जब परमेश्वर ने मूसा को बुलाया था, और उसे मिस्र में फिरौन के जुए से इस्राएल की संतानों को छुड़ाने के लिए भेजा था। उसने कहा, ''यह तेरे हाथ में क्या है?''

और उसने कहा, ''यह एक लाठी है।''

70 और उसने लाठी को लिया और जमीन पर फेंक दिया, और वह सांप बन गयी। और वह, मूसा वहां पर से भागा। फिर उसने उसे उठा लिया, और वह उसके हाथ में लाठी बन गयी।

71 और वह लाठी, जब वह मिस्र में गया, उसने उसको मिस्र के ऊपर फैलाया, और डांसे आ गयीं। उसने उसे फैलाया और विपत्ति आ गयी। वह परमेश्वर का न्याय था। परमेश्वर का न्याय उस लाठी को आगे फैलाने में था।

72 और फिर ध्यान दें, इससे पहले कि लाठी को वास्तविक रूप में पकड़ा जाता। मूसा ने अपने हाथों को अपनी छाती पर रखा, और वह कोढ़ में बदल गया।

73 जैसे कि हर एक व्यक्ति आरंभ से ही पापी होता है। उस से बचने का कोई तरीका नहीं होता है। आप पाप में जन्म लेते हैं, कुकर्म में ढाले जाते हैं, और संसार में झूठ बोलते हुए आते हैं। हो सकता है कि आपका समर्पण आपकी माता के गिरजे की वेदी पर हुआ हो। हो सकता कि आप का छिड़काव हुआ हो। हो सकता है कि आप यह और वह रहे हों। परन्तु आप आरंभ से ही पापी हैं।

74 फिर एक और बात है। परमेश्वर ने कहा, "अपने हाथ को अपनी छाती में वापस डाल दे।" उसकी छाती के ऊपर, उसने अपने हाथों को परमेश्वर के कार्याधिकार के द्वारा फिर से रखा, जहां पर हम लाए गए थे। पहले उसका हाथ एक कोढ़ी था। आप को पहले एक पापी के रूप में लाया गया था; चुनाव करने के द्वारा नहीं, परन्तु स्वभाव के द्वारा; तब आप फिर से वापस जाते हैं। और जब आप बाहर आते हैं, हाथ साफ और शुद्ध था, वह यह दिखा रहा है कि इससे पहले कि वह न्याय की लाठी को चलाए, उसे एक साफ किया गया हाथ होना है, इससे पहले कि वह उसे हिला सके। और कोई भी सेवक, कोई भी शिक्षक...

75 मैंने इस प्रातः किसी बात को सुना जिसने कि वास्तव में मेरे लहु को जमा दिया, बस आने के ठीक पहले जब मैंने रेडियो को चलाया। मैं किसी की अवेहलना नहीं करता हूं; और यदि यहां पर कोई उस व्यक्ति का संबन्धी है, तो मेरा अर्थ आप को चोट पहुंचाना नहीं है। परन्तु यह समय है...और परमेश्वर मेरी इस बात में सहायता करे कि मैं हमेशा इतना मसीही बना रहूं कि मैं काले को काला और सफेद को सफेद कह सकूं, और इमानदार बना रहूं।

76 मैंने किसी को गाते हुए सुना, और कहा, "मेरे पास बाईबिल है।" और उसने वह खोली और वचन को पढ़ा, और पहले भजन संहिता से प्रचार करना आरंभ किया, "क्या ही धन्य है वह पुरूष जो कि दुष्टों की युक्ति पर नहीं चलता है, और न पापीयों के मार्ग में खड़ा होता; और न ठट्टा करनेवालों की मंडली में बैठता है!" आप जानते हैं कि वह व्यक्ति कौन था? राक–एन–रौल करने वाला व्यक्ति, जिमी आसबर्न जो कि

रेडियो पर था, सुसमाचार प्रचार कर रहा था।

77 ओह, भाई, यदि कभी कोई बदनामी की बात है तो वह यही है! इस प्रकार के व्यक्ति को परमेश्वर के जीवित वचन के अन्दर प्रवेश करने का कोई काम नहीं है। और आप इस व्यक्ति को लें जो कि रेनफ्रो घाटी बार्न नाच से है, जो कि पूरी रात्रि तक वहां उस पुराने शोर मचाने वाले उत्सव में था, वे तालीयों को बजा रहे थे और उसी प्रकार से उस शोर मचाने वाले उत्सव में कार्य कर रहे थे। और अगली प्रातः अपनी आवाज को बदल दिया और मसीही की तरह से बातचीत करने लगा। और क्यों, यह परमेश्वर की दृष्टि में असभ्य और घिनौनी बात है।

78 वह हाथ जो कि न्याय की लाठी को चलाता है उसको मसीह की सामर्थ और पुनुरूत्थान के द्वारा शुद्ध होना चाहिए। परमेश्वर के वचन में हाथ डालने का उसका कोई कार्य नहीं है। यहां तक कि बहुत से प्रचारक एल्विस प्रेसली की सफाई दे रहे हैं, जो कि संसार में कुछ नहीं परन्तु एक आद्युनिक यहूदा इस्करियोति है। यहूदा इस्करियोति ने तीस चांदी के सिक्कों को लिया; ऐल्विस प्रेसली के पास दस लाख डालर हैं और कैडिलैक की कारों का झुण्ड है। परन्तु वह बिक गया है। वह एक पिन्तेकोस्तल विश्वासी था, और उसने अपना पहलौठे के अधिकार को राक–एन–राल बनने के लिए बेच दिया, और वह शैतान से प्रेरित है। और मैं उस बात को कहने में बिलकुल भी हिचकिचाता नहीं हूं। नहीं, श्रीमान। और एक आद्युनिक यहूदा इस्करियोति।

79 और फिर, यहां तक कि सेवक भी उसी प्रकार की चीज को बनाने का यत्न कर रहे हैं। और एल्विस प्रेसली कह रहा है, ''हां, मैं अपनी सफलता के लिए परमेश्वर पर विश्वास करता हूं।'' यह कैसे हो सकता है कि जीवित और पवित्र परमेश्वर कभी किसी असभ्य और शैतानी और दुष्ट आत्मा से भरी हुयी चीज को सफलता प्रदान कर सकता है?

80 इस राष्ट्र ने जो सबसे बड़ी रूकावटें देखीं हैं, यह उन सभी में

यह सबसे बड़ी रूकावट है जो कि इस राष्ट्र न कभी देखी है, वह एल्विस प्रेसली है जिसने की अपने पुराने गन्दे, घिनौने राक–एन–रौल की चीजों के द्वारा लाखों प्राणों को नर्क में भेज दिया है। मुझे बिलकुल भी कोई खेद नहीं है। निश्चित रूप से। यदि आप मेरा विश्वास परमेश्वर के भविष्यवक्ता के रूप में करते हैं, स्मरण रखिये, एक देहधारी शैतान है। यह बिलकुल ठीक बात है।

81 और जिमी आसबर्न और उन व्यक्तियों का परमेश्वर के वचन के साथ कोई कार्य नहीं है। और न ही उस व्यक्ति का है जो कि परमेश्वर के नाम को व्यर्थ में लेता है, उस जगह लेता है जहां शोर–शराबा और उत्सव हो रहा होता है और उन राक–एन–रौल के नाचों में और उसी प्रकार की असभ्य चीजों में लेता है, और फिर किसी भी मंच पर आता है और परमेश्वर के वचन का प्रचार करता है।

82 इन गिरजों में बहुतेरों के साथ आज यही मामला है, आप उन स्थानों पर से इन छोटे से पुराने बूगी–वूगी संगीत को सुनते हैं। एक छोटी सी लड़की जो कि इन शोर–शराबा से भरी हुयी पार्टी से आती है और एक रात्रि वह यह सभी प्रकार की राक–एन–रौल करती है; और वह वेदी पर आती है, और अगली रात्रि आप उसको एक विशेष गीत गाने के लिए खड़ा करते हैं। आप में कुछ पुरूष उन बूढ़े गिटार वादकों को उन स्थानों पर से और रात्रि के क्लबों से लेते हैं, और दो सप्ताह में उसे मंच पर प्रचार करने के लिए खड़ा कर देते हैं।

83 भाई, मैं आपको बताता हूं, वह यह बात यहां पर कभी भी नहीं कर पाएगा। नहीं, वास्तव में नहीं। उसे अध्ययन करना होगा, अपने आप को परमेश्वर का व्यक्ति के रूप में सिद्ध करना होगा, और पता लगाना होगा। हम एक रात्रि में इस प्रकार से कूद कर खड़े हो जाने में विश्वास नहीं करते हैं। यही कारण है कि कलीसिया आज इस स्थिति में है।

84 हमें सत्य की आवश्यकता है। वचन ही सत्य है। यह ठीक बात

है। वह हाथ जो कि न्याय की लाठी को हिलाता है, उस हाथ को एक साफ हाथ होना चाहिए। यह बिलकुल ठीक बात है।

85 मूसा का न्यायी हाथ साफ किया गया था, और फिर लाठी उस में रखी गयी थी। और वह लाठी नीचे गयी और इस्राएल पर न्याय लेकर आयी।

86 और फिर, जंगल में, वह सुन्दर नमूना था। और मुझे बन्द करना चाहिए। यह सुन्दर प्रतिछाया तब थी जब एक चट्टान वहां पर थी, ''और वह चट्टान मसीह था।''

87 और नाश हो रहे लोग जल के लिए मर रहे थे, और वे इसके योग्य थे। वे मरने के योग्य थे क्योंकि वे बुड़बुड़ाये थे। उन्होंने शिकायत की थी। वे आरंभ से विश्वासी नहीं थे। वे कुछ नहीं परन्तु बुद्धिजीवी विश्वासी थे। वे...अलौकिक को किया जा चुका था, और एक मिली जुली भीड़ बाहर निकली। वे अपने हृदय से परिवर्तित नहीं थे।

88 झुण्ड में केवल तीन थे, जिनको कि हम जानते हैं; मूसा, हारून, और कालेब और मिरियम।

89 और मिरियम ने भी अपनी धोखेबाजी दिखा दी, जब वह इसलिए हंसी क्योंकि मूसा ने एक नीग्रो लड़की से विवाह कर लिया। और कहा, ''क्या विवाह करने के लिए कोई और लड़की नहीं थी, और इसी प्रकार की बातें? वह उस बात को कर सकता था।'' और परमेश्वर उस बात से प्रसन्न नहीं हुआ, और उसे कोढ़ से पीड़ित कर दिया।

90 और उसका अपना भाई चिल्ला उठा, कहा, ''क्या तुम अपनी बहन को उस प्रकार से मरने दोगे?''

91 और परमेश्वर ने मूसा से कहा कि उसके सामने आए। और वह गया और उसके लिए, मिरियम के लिए बिचवई करी। वह उसके बाद

बहुत अधिक दिन तक जीवित न रह पायी।

92 नहीं भाई। जो परमेश्वर करता है वह सिद्ध होता है। हमारे लिए उस बात में अपने दिमागों से सोचने के लिए कोई कार्य नहीं होता है, कि हम उस बात में कुछ जोड़ें। बस जिस प्रकार से वह है, उसी प्रकार से उसे छोड़ दें। परमेश्वर ने उसे किया है; परमेश्वर ने उसे कहा है; बस मामला वहीं समाप्त हो जाता है। बस उस चीज को ग्रहण कर लें। मैं यह नहीं जानता हूं कि किस प्रकार...यदि मैं उस बात को समझा सकता, तब फिर मैं परमेश्वर के तुल्य हो जाता। मैं उस बात को समझा नहीं सकता हूं। मैं बस उस बात में विश्वास करता हूं। बस यही बात है। बस वही सब कुछ मुझे करने के लिए कहा गया है। किसी भी व्यक्ति को उसे समझाने के लिए नहीं कहा गया है, क्योंकि यह हमारे दिमाग से परे है, यह हमारी समझ के परे है। यह परमेश्वर है जो कि उस बात को करता है, अतः उस बात को समझाया नहीं जा सकता है। मैं बस उसे विश्वास के द्वारा ग्रहण करता हूं, और कहता हूं, यह मेरी निजि संपत्ति है, और मैं उस बात पर विश्वास करता हूं।'' मैं उसे समझा नहीं सकता हूं।

93 किस प्रकार से वह चट्टान वहां पर पड़ी हुयी है? परमेश्वर के पास एक चट्टान थी, जिसके अंदर जल भरा हुआ था, बस एक छोटी सी चट्टान थी, शायद इस मेज से बड़ी नहीं होगी। परन्तु जब मूसा ने उस चट्टान को मारा, उसके अन्दर से पर्याप्त जल बाहर आया कि बीस लाख लोगों को पानी पिलाया जा सके। और केवल यही नहीं, परन्तु जितने भी पशु और भेड़ें और चीजें जो कि उनके पास में थीं।

94 ओह, जब मैं इनमें से कुछ चित्रकारों को देखता हूं जो कि तस्वीरों को बनाते हैं, एक छोटी–छोटी सी बूंद उस चट्टान में से निकल रही होती है, और एक बच्चा वहां पर अपने हाथ में एक–एक छोटी सी बाल्टी लिए हुए खड़ा हुआ होता है! ओह, वह उस प्रकार से कभी भी नही आया था।

95 वह प्रचुर मात्रा में फूट कर बाहर निकला था। उसने उनके ऊंटों

और सारे पशुओं को पानी देने के अलावा बीस लाख लोगों को पानी दिया था। ''और वह चट्टान मसीह यीशु था।'' यह यूहन्ना 3:16 के समानान्तर एक सुन्दर बात है। ''क्योंकि परमेश्वर ने संसार से ऐसा प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया कि जो कोई उसपर विश्वास करे, नाश न हो परन्तु अनंत जीवन प्राप्त करे।''

96 और ध्यान दें कि क्या हुआ था। केवल एंक ही तरीका था कि वे उस चट्टान में से पानी को पाते, न्याय की लाठी को उस चट्टान पर मारा जाना था। और मूसा ने उस चट्टान को मारा, और परमेश्वर का न्याय उस चट्टान पर आकर टकराया। और जब ऐसा हुआ, उसने पानी दिया।

97 लोग पूर्ण रूप से...थे। परमेश्वर उन्हें मरने देने में न्यायी था, क्योंकि उन्होंने उसपर अविश्वास किया था। वे अनादर कर रहे थे। वे भ्रष्ट थे। वे जीने के योग्य नहीं थे। यहां तक कि ...मूसा ने उन्हें ''बलवा करने वाले,'' कहा था, वे परमेश्वर के विरूद्ध बलवा कर रहे थे। और वे मर जाने के योग्य थे।

98 और हममें से सभी मरने के योग्य थे क्योंकि हमने परमेश्वर के विरोध में बलवा किया था। चुने हुए...ध्यान दें, हम सभी मरने के योग्य थे। परन्तु परमेश्वर इतना अधिक करूणामयी है! उसे हमारे विषय में कभी भी सोचना नहीं चाहिए था। परन्तु, वह इतना अधिक करूणामयी है, जब तक उसने हममें से हर एक के पापों को ले लिया, और स्वयं के प्रिय पुत्र को मारा, जो कि मसीह था; ताकि हम नाश न हों, परन्तु हमें अनंत जीवन मिलने पाए। हम उस चट्टान में से पीकर और फिर भी अपने हृदय में ठीक कैसे नहीं हो सकते हैं?

99 परन्तु भाई, इस प्रातः लाखों हैं जो कि इस बात को कर रहे हैं। यह बिलकुल ठीक बात है। वे इसलिए भरोसा कर रहे हैं क्योंकि वे बैपटिस्ट, और मेथोडिस्ट, या पिन्तेकोस्तल हैं। वे इसलिए भरोसा कर रहे हैं क्योंकि उन्हें एक विचित्र सी अनुभुति हुई है, क्योंकि उन्होंने अन्य भाषा

में बातचीत करी है, क्योंकि वे चिल्लाए हैं, क्योंकि वे नाचें हैं, क्योंकि उन्होंने एक चंगाई सभा को किया है और परमेश्वर ने बिमारों को चंगा किया है, या किसी बात पर वे भरोसा कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें एक प्रकाशन आया जो कि सत्य था, क्योंकि उन्होंने इस कार्य को किया है। वे चीजें बिलकुल ठीक हैं, उनके विरोध में कुछ नही कहना है, परन्तु उसका आपके उद्धार से कोई लेना देना नहीं है, एक भी बात का कोई लेना देना नहीं है। आप अपने हाथों से तेल को उढ़ेल सकते हैं जब तक कि वह गैलनों की मात्रा में निकल कर आए, या आपके चेहरे में से लहु निकल कर आए, और फिर भी उस बात वह अर्थ नहीं है। यह ठीक बात है। यह ठीक बात है।

100 पौलूस ने कहा था, ''मैं मनुष्यों और स्वर्गदूतों की बोली बोलूं, और फिर भी भटका हुआ हो सकता हूं।'' चाहे मेरे पास बुद्धि और ज्ञान हो, और खड़े होकर बाईबिल को समझा सकूं, बस उसे...(भाई ब्रन्हम अपनी ऊंगली को कई बार चटकाते हैं–संम्पा)...अच्छी प्रकार से मिला–मिलाकर समझा दें। फिर भी उस बात का उससे कोई लेना देना नहीं है।

101 भाई, उन सभी ने एक ही चट्टान से पिया था। ''वह चट्टान मसीह था।''

102 न्याय मसीह के ऊपर आया, कि आपको आकर पीने को सौभाग्य प्राप्त हो सके। यह परमेश्वर की अच्छाई आपके लिए है, कि आप आकर पीने पाते हैं। यह परमेश्वर की अच्छाई आपके लिए है कि आप वचन में से खाने पाते हैं। यह परमेश्वर की अच्छाई आपके लिए है कि उसने आप को बपतिस्मा लेने कि अनुमति दी। यह परमेश्वर की अच्छाई आपके लिए है कि आप को एक नागरिक बनाए, कि आपको अच्छा स्वास्थ प्रदान करे, कि वह आपको इस प्रातः कलीसिया में बैठने देता है। यह परमेश्वर की अच्छाई है। यह सभी परमेश्वर की अच्छाई है।

103 परन्तु वापसी में परमेश्वर के लिए आपकी अच्छाई के विषय में क्या? क्या आप सब कुछ समर्पित करना चाहते हैं, हर एक विचार, हर एक कार्य, सब कुछ उसको समर्पित करना चाहते हैं? यही–यही वह बात है जो कि परमेश्वर ने आप के लिए करी है। आप उसके लिए क्या करेंगे?

104 ध्यान दें, आइये हम दो आयतों को और पढ़ते हैं। और मैं–मैं बन्द करूंगा, ताकि पास्टर अपने वचन को बोल सके। अब देखिए। ''और चट्टान मसीह था।'' अब 5वीं आयत।

परन्तु परमेश्वर उन में से बहुतेरों से प्रसन्न न... हुआ...

105 समझे? उसने उन्हें बपतिस्मा लेने की अनुमति दी। उसने उन्हें वचन में से खाने के लिए और उसपर विश्वास करने की अनुमति दी। उसने उन्हें आत्मिक आशीषों को लेने के लिए अनुमति दी। उसने उन्हें आत्मिक चट्टान में से पीने की अनुमति दी। यह सभी परमेश्वर ने अपने अनुग्रह के द्वारा किया, फिर भी परमेश्वर उनमें से बहुतेरों से प्रसन्न नहीं था।देखिए।

...इसलिए वे जंगल में ढेर हो गए।

106 इन सभी अनुभवों के बाद, जितनी भी चंगाई सभाओं को देखने के बाद, जो कि हमने देखी हैं, सारी अनुभूतियों को अनुभव करने के बाद जो कि हमें हुई हैं, चिल्लाने और परमेश्वर की स्तुति करने के बाद, उस चट्टान में से पीने के बाद, वे सभी अच्छे संदेशों के बाद जिनका हमने आनंद लिया है, और फिर भी नाश हो जाते हैं। सभी कुछ समाप्त हो जाता है! (भाई ब्रन्हम मंच पर एक बार खटखटाते हैं–संम्पा) ''दूर हो जाओ, हे कुकर्म करने वालो। मैंने तुम्हें कभी नहीं जाना।''

107 जांच लें! हमारे पास एक बेदारी है जो कि आ रही है। मैं जानता हूं कि यह कठोर बात है। परन्तु भाई, कोई भी पिता जो कि अपने बच्चों

को न सुधारे, वह एक अच्छा पिता नहीं है। यह सत्य बात है। ''ढेर हो गए।''

यह बातें हमारे लिए दृष्टान्त ठहरीं...

108 पौलूस बोल रहा है। क्या आप इस बात का विश्वास करते हैं? (सभा कहती है, ''आमीन''–संम्पा) यह उदाहरण स्वरूप हुयीं। ठीक है।

...कि जैसे उन्होंने लालच किया, वैसे हम भी बुरी वस्तुओं का लालच न करें।

109 क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि एक व्यक्ति खड़ा हुआ है जो कि एक धोखेबाज हो और रिकार्डो को बजाता हो, और पुराने घिनौने राक–एन–रौल गानों को बजाता हो, जैसे कि, ''कुछ हुआ, और मैं पूरी तरह से हिल गया,'' और उसी प्रकार के गन्दे और पुराने गाने जो कि एल्विस प्रेसली और यह लोग बजाते हैं, और फिर वापस आकर सुसमाचार के प्रचार की नकल करता है? उस के विषय में सोचिए! (भाई ब्रन्हम मंच पर दस बार खटखटाते हैं–संम्पा)

110 क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि एक पुरूष और एक स्त्री बाहर बैठे हुए हों, और स्त्री बाहर के आंगन में लेटी हुयी हो, और छोटे से गन्दे दिखने वाले आधे वस्त्रों को पहने हुयी हो, अपने आप को पुरूषों के सामने प्रस्तुत कर रही हो, और फिर वह ठीक वापस आए और उस आत्मिक चट्टान में से पीए, और चिल्लाए और उस प्रकार से करती रहे?

111 पिन्तुकोस्तल लोगों में एक महान मत है, वह है स्त्रियों की स्वतन्त्रता का। वे बड़े और लंबे कान में पहिनने वाले बुंदे पहन रही हैं, और–और सभी प्रकार के वस्त्रों को पहन रही हैं।

112 और एक युवा लड़का मेरे घर के सामने कुछ दिनों पहले एक छोटे से ट्रक में बैठा हुआ था, रो रहा था, कि उसकी पत्नी...जो कि

पिन्तुकोस्तल है, अन्य भाषा में बोलती है और भविष्यवाणी करती है। निश्चित रूप से। और उसने कहा, ''सारी कलीसिया हाफ पैंट पहनती है।'' और वह...''वह बाहर सड़क पर रात्रि आठ और नौ बजे जाती है, और छोटे सिगेरेट के टुकड़ों को उठाती है जो कि दूसरों ने फेंका हुए होते हैं, और धूम्रपान करती है। और फिर भी चिल्लाती है, प्रभु की स्तुति करती है, और भविष्यवाणी करती है।''

113 मैं दूसरे दिन एक गिरजे में खड़ा हुआ था, जहां पर परमेश्वर का एक महान जन था, जिसका मैं बहुत आदर करता हूं। और वह इस बात का परदाफाश कर रहा था, उस व्यक्ति के लिए जो कि उस चीज का शीर्ष है, जो कि बाहर जाता है। और–और उसके हाथों में से लहु बह कर बाहर निकलता है और ऐसी ही चीजे होती हैं। और पूरब से पश्चिम तक जा जाकर, इस चीज को बाईबिल के आधार पर गलत ठहरा–ठहरा कर मेरा गला खराब हो गया है। जबकि यह बात परमेश्वर की ओर से नहीं है।

114 कोई भी लहु जो कि मसीह में से आता है वह उसका शारीरिक लहु होना है, तब फिर उसकी शारिरिक देह यहां पर है, फिर उसका दूसरा आगमन समाप्त हो चुका है। यीशु ने कहा, ''उस बात पर विश्वास मत करना, जब वे कहते हैं कि, 'देखो, वह रेगिस्तान में है।' उस बात पर विश्वास मत करना जब वे कहें, 'वह यहां पर है।' उस बात पर विश्वास मत करना। क्योंकि झूठे मसीह और झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे, और वे चिन्हों और चमत्कारों को दिखाएंगे, यहां तक हो सके तो चुने हुओं को भरमा दें।'' और इस बात को पूरब और पश्चिम तक चिल्ला कर बोला है।

115 और अंत में पश्चिमी तट पर, एक बूढ़े डाक्टर कैनेडा, जो कि मेरे बहुत अच्छे मित्र हैं, खड़े हुए। और एक और व्यक्ति, जो कि किसी व्यक्ति का प्रबन्धक है जिसने की इस बात को आरंभ किया, जो कि इन बहावों में से एक बहाव है, वह यहां पर आया और एक बड़े...को दिया। कहा, ''शुद्ध तेल और पवित्र लहु। हमारा लहु आज दिखाई देगा।'' और

उन्होंने इस स्थान को भर दिया। और उसने दिखाया कि कैसे उसकी बेल्ट के नीचे उसके पास दो सूइयां थीं जो कि नीचे की ओर से निकली हुयीं थीं।

116 और कोई भी इस बात को जानता है कि आप अपनी ऊंगली को नोच सकते हैं, और उसमें से खून नही निकलेगा जब तक कि आप उसे न दबाएं। आप उसमें एक छेद कर दें, ऐसा नहीं होगा, क्योंकि नसें वहां पर से बहुत दूरी पर होती हैं। और जब उसने वैसा किया, उसने यह दिखाया कि उसने यह कैसे किया।

117 उसके पास वहां पर पीछे की ओर तेल था, उसने उसके ऊपर हाथों को रखा। तब फिर वह आया और कहा, ''मेरे हाथों को देखो, यह पूर्ण रूप से सामान्य हैं।'' फिर उसने कहा, ''परमेश्वर की महिमा हो! हालेलुइया!'' और उसने अपने हाथों को नीचे इस प्रकार से किया जैसे कि दूध को निकला जाता है। निश्चित रूप से, वहां पर लहु था जो कि उसकी ऊंगलीयों को दबाकर निकाला गया। जबकि सभी चिल्ला रहे थे, उसने अपने माथे को पोछा, और वहां पर क्रूस थी। जबकि वही व्यक्ति जो कि इस व्यक्ति के साथ में था जिसने कि इस बात को किया था, वह वहां पर था, उसका पर्दाफाश सभा के सामने कर दिया गया, और... उसकी जेबों में देखा गया, तेलों और उन चीजों को दिखाने के लिए।

118 एक ने दीवार पर हृदय को लगाया, और कहा, ''यह दिवार यीशु के लहु से सांस ले रही है। यह यीशु का हृदय है।'' एक बहुत बूढ़ा व्यक्ति जो कि टेक्सास का रहने वाला था, अन्दर चलकर आया, वह डर नहीं रहा था। कहा, ''यदि कोई उसे छू लेगा, तो उसकी मृत्यु हो जाएगी।'' उनके पास में रस्सीयां थीं। जहां पर इस दिवार से लहु बह रहा था, हृदय में से लहु की सांस ली जा रही थी, सभी के पास में उसकी तस्वीरें हैं और सभी कुछ हैं। और यह व्यक्ति अन्दर चलकर आता है और कलीसिया में चुपके से आता है, वह और उसकी पत्नी आते हैं, और दिवार पर से उस रंग को धो डाला, और वहां पर पीछे बैठ गए और इन्तजार करने लगे। वे अन्दर आए। याजक ने कहा, ''अच्छा, आप

जानते हैं, यीशु यहां पर था और उसी ने इस चीज को वहां पर से मिटा दिया।''

119 उसने कहा, ''यीशु का उस बात से कोई लेना देना नहीं है। मैंने इसे स्वयं किया है।'' यह ठीक बात है।

120 क्या हुआ? यह ऐसा इसलिए है क्योंकि परमेश्वर के जीवित वचन पर अस्थिर हैं। क्या बाईबिल ने नहीं कहा, ''वे पूरब से जाएंगे, पश्चिम से जाएंगे, उत्तर से और दक्षिण से जाएंगे। केवल रोटी और पानी का आकाल नहीं वरन परमेश्वर के वचन के सुनने का आकाल पड़ेगा?'' क्या ही दिन हैं जिसमें कि हम रह रहे हैं!

121 और हम अब देखते हैं कि यह सब महान संस्थागत गिरजे सभी एक संघ में एक साथ हो रही हैं, और एक ऐसा स्थान पर आएंगे जबकि आप को इस गिरजों के संघ में शामिल होना होगा, इससे पहले कि आप के पास रेडियो हो सके। आप रेडियो पर से चले जाएंगे। लड़के, तुम उस विषय में कभी भी चिन्ता न करो। और बाकि के सभी भी हैं, और सारे टेलीवीजन के कार्यक्रम। इससे पहले कि आप उस बात को कर सकें, आप को गिरजों के संघ में शामिल होना होगा। और जब आप ऐसा करते हैं, आप संसार में कुछ और नहीं कर रहे होते हैं परन्तु बाईबिल में लिखी हुयी पशु की छाप को ले रहे होंगे। आप उस स्थति में हैं। देखें कि किस प्रकार से यह सभी एक साथ संघ को बना रहे हैं?

122 ओह, परमेश्वर का धन्यवाद हो, यह सत्य बात है कि एक जीवता परमेश्वर है। यह सत्य बात है कि एक सच्चा परमेश्वर है। यह सत्य बात है कि एक सच्चा वचन है। यह सत्य बात है कि एक सच्ची दिव्य चंगाई है। यह सत्य बात है कि यह सब बातें सत्य हैं। परन्तु भाई, आप अपने विश्वास को किसी छोटी सी सनसनाहट पर, किसी कलीसिया की व्यवस्था पर, प्रभु भोज लेने पर, आत्मिक चट्टान में से खाने पर न आधारित करें।

123 आप कहते हैं, ''भाई, मैं इस बात को जानता हूं। मैंने परमेश्वर को चख लिया है।'' वह बात बस बिलकुल ठीक हो सकती है। परन्तु वह किस प्रकार के स्थान में गिरा है? यही अगली बात है। वह किस प्रकार की बालटी के अन्दर आया है? ''धर्मी और अधर्मी।'' सुनें।

यह बातें हमारे लिए दृष्टान्त ठहरीं...कि जैसे उन्होंने लालच किया, वैसे हम भी बुरी वस्तुओं का लालच न करें।

124 उनका लालच क्या था? अब सुनें, मैं बस थोड़ा सा आगे जाना चाहता हूं, यदि आप मुझे क्षमा करेंगे।

और न तुम मूरत पूजने वाले बनो,...

125 ओह, आप कहते हैं, ''मैं परमेश्वर का धन्यवाद करता हूं, मैं मूर्तिपूजक नहीं हूं।'' एक मिनट के लिए रूकें। आइए, इस बात को वचन के द्वारा जाचें। आप कहते हैं, ''मैं एक मूरत की आराधना नहीं करूंगा।'' इसका पूर्ण रूप से यह अर्थ नहीं है कि आप एक मूरत(idol) की आराधना करते हैं। आप को बस व्यर्थ(idle) रहना है, कुछ नहीं करना। गिरजे जाएं, ''हां, बस वह ठीक है।'' वापस घर जाते हैं, उस के विषय में कुछ नहीं करते हैं।

126 भाई, एक वास्तविक नया जन्म प्राप्त पुरूष या स्त्री रूक कर खड़ा नहीं हो सकता है। उनके अन्दर कुछ होता है। उनको गवाही देनी होती है। उनको कुछ करना होता है। वे कुछ करने के लिए बाध्य होते हैं। वे शान्त नहीं बैठ सकते हैं। सुने।

और न तुम मूरत पूजने वाले बनो, जैसे कि उनमें से कितने बन गए थे, जैसा कि लिखा है कि लोग खाने–पीने बैठे, और खेललने कूदने उठे।'''

127 पौलूस किस विषय में बोल रहा है? दृष्टान्तों में। उनका

बपतिस्मा कलीसिया में हुआ था। उनका बिलकुल ठीक तौर पर बपतिस्मा हुआ था। एक बार; तीन बार आगे; पीछे; पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम के नाम में; केवल यीशु; जो भी कुछ वह था। उनका ठीक प्रकार से बपतिस्मा हुआ था। हम उस प्रकार की छोटी सी चीजों के लिए लड़ते हैं, परेशान होते हैं और बहस करते हैं। उससे क्या लाभ होता है? आप मुख्य नियम को छोड़ देते हैं। हमारी कलीसियाएं बपतिस्में के ऊपर विभाजित हो गयीं हैं। निश्चित रूप से।

128 फिर आप कहते हैं, ''ओह, हालेलुइया! उनके पास वह आत्मिक आशीषें नहीं हैं जो कि हमारे पास में हैं। वे ठंडे और औपचारिक हैं। परमेश्वर की महिमा हो, मैं परमेश्वर का वास्तविक मन्ना को खाता हूं। मैं जानता हूं कि वह सत्य है।'' वह बात बिलकुल ठीक है, परन्तु उससे क्या फर्क पड़ता है? आप कहते हैं, ''भाई, मैं...पवित्र आत्मा वास्तव में हमारी कलीसिया में गिरता है।'' यह अच्छी बात है, परन्तु उससे आप को क्या फर्क पड़ेगा, यदि आप ठीक प्रकार के बर्तन नहीं हैं जिसमें कि वह गिरता है? स्मरण रहे।

129 ओह, आप कहते हैं, ''मैं सत्यनिष्ठ हूं।'' वैसे वे भी थे। उन्होंने अपने घरों को छोड़ दिया और बाहर चले गए; मृत्यु आने के लिए उन्होंने अपनी गर्दन को बाहर निकाल लिया था। जितना हमें करना पड़ रहा है, उन्होंने उससे बहुत अधिक किया था। उसका उस बात से कोई लेना देना नहीं था। जरा सोचें।

130 बाईबिल ने कहा, ''व्यर्थ में वे मेरी आराधना करते हैं। व्यर्थ में वे मेरी आराधना करते हैं।'' बिलकुल सच्चाई से आराधना, व्यर्थ में हो रही है। वह कहां पर से आरंभ हुयी? ठीक अदन की वाटिका से, कैन से। उसने परमेश्वर की आराधना बस उसी प्रकार से करी जिस प्रकार से हाबिल ने करी, परन्तु उसने व्यर्थ में उपासना करी। जी हां श्रीमान। ''एक मार्ग है जो ठीक जान पड़ता है।''

131 आप कहते हैं, ''अच्छा, ऐसा क्यों हैं? अब मैंने प्रायश्चित किया

है। क्यों ऐसा है कि मैं ठीक नहीं हूं? मैंने प्रायश्चित किया है। मैं सोचता हूं कि मैं किसी और व्यक्ति की तरह अच्छा व्यक्ति हूं। मैं गिरजे जाता हूं। मेरा बपतिस्मा हुआ है। मुझे परमेश्वर की आशीषें प्राप्त होती हैं। मुझे एक अच्छा संदेश प्रिय लगता है। मैं परमेश्वर के वचन से प्रेम करता हूं। मुझे उसे पड़ना अच्छा लगता है। और मुझे भी आत्मिक आशीषें प्राप्त होती हैं। और हालेलुइया, मैं भविष्यवाणी कर सकता हूं। मैं अन्य भाषा में बोल सकता हूं। मैंने सारी बातों को किया है, और तुम्हारे कहने का यह अर्थ है कि यह सब व्यर्थ में है?''

132 अब, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि यह व्यर्थ में है, परन्तु यह संभव है कि यह व्यर्थ में हो। यह ठीक बात है। यह इस बात पर निर्भर है कि आप वहां अन्दर क्या हैं, यह ठीक बात है, और आप क्या हैं जो कि इसको ग्रहण कर रहे हैं। यदि आप ने नया जन्म नहीं पाया है, यदि आप के अन्दर वास्तव में कुछ नहीं है, फिर यह व्यर्थ में है। वे सारी आशीषें, मुझे उससे लेना देना नहीं है। अब बस एक और।

और न हम व्याभिचार करें; जैसा उनमें से कितनों ने किया: और एक दिन में तेइस हजार मर गए।

133 ''व्याभिचार किया,'' यह आत्मिक व्याभिचार है। यदि हमारे पास समय होता...संडे स्कूल समाप्त हो चुका है। आत्मिक व्याभिचार!

और न हम प्रभु को परखें; जैसा उनमें से कितनों ने किया, और सांपों के द्वारा नाश किए गए।

और न तुम कुड़कुड़ाओ, जिस रीति से उनमें से कितने कुड़कुड़ाए, और नाश करनेवाले के द्वारा नाश किए गए।

134 कुड़कुड़ाना, लालच करना, अपने धर्म के साथ संसार को मिश्रित करना, बाहर जाना...परमेश्वर शुद्धता को पसन्द करता है, वास्तविक शुद्धता को।

135 इस प्रातः मैं बातचीत कर रहा था। मैंने सोचा, ''क्या...'' अब, बन्द करते हुए, मैंने यह सोचा। ''एक पुरूष के जीवन में क्या चीज और मधुर हो सकती है? घर आने से ज्यादा मधुर क्या बात हो सकती है, जबकि वह पूरे दिन कार्य करने के बाद, या जुताई करने के बाद, या जो भी कुछ क्यों न किया हो, थका हुआ होता है, कि वह अन्दर चलकर जाए और उससे मिलने के लिए द्वार पर सुन्दर पत्नी हो? एक मिनट के लिए उसकी गोद में बैठे, और उसकी भौंहों के ऊपर कुछ देर के लिए हाथ फेरे, और उसके गालों को चूमे, और अपने हाथों को उसके चारों ओर डाले, और कहे, ''प्रिय, मैं–मैं जानती हूं कि तुम थके हुए हो, और तुमने बहुत परिश्रम किया है।'' उसे सान्तावना दे।

136 वह किस प्रकार से यह जानता है कि वह हाथ जो कि उसके चारो ओर है, वह पूर्ण रूप से उसका है। वह उसका है। वह हाथ कभी भी किसी और पुरूष के चारों ओर नहीं गया, या किसी और इच्छा को पूरा नहीं किया हो। जो उसके गालों पर चूमा गया है, वह वास्तविक, विशुद्ध और पवित्र हृदय से आता है जो कि उससे प्रेम करता है, और केवल उसी से प्रेम करता है। यह बात आपको कैसे ...बना देती है, मैं जानता हूं, इस बात से आप अपने सीने को बाहर निकालते हैं और कहते हैं, ''ओह, मैं सब मिलाकर यह बात कहता हूं कि मैं थका हुआ नहीं हूं।'' समझे? यही बात है। यह आपको कुछ कर देता है।

137 मैं आपको कुछ बताना चाहता हूं। परन्तु क्या हो यदि वह चुंबन उसके गालों पर दिया गया और उसके पास आत्मविश्वास न हो? शायद वह किसी और व्यक्ति के गालों पर दिया गया हो। क्या हो यदि वे हाथ जो कि उसके चारो ओर हैं, उन्होंने किसी और व्यक्ति को गले लगाया हो, और फिर भी उसी बात को करने की इच्छा कर रहे हों? उस बात का अर्थ बहुत अधिक नहीं होगा। वहां पर बहुत अधिक बात नहीं बनेगी। क्यों?

138 अब, आरंभ में, वे एक थे। परमेश्वर, जब उसने मनुष्य को बनाया, उसने उसको दो व्यक्ति के रूप में बनाया, पुरूष और स्त्री दोनो। उसने

उसको देह में अलग किया; और उसे पृथ्वी पर यहां देह में रखा, और स्त्री वाला भाग अभी भी आत्मा के रूप में था।

139 देखिए मित्र, परमेश्वर बहुत सावधान था। ओह, कैसे यह...इस बात को अपने से जुदा न होने दें। परमेश्वर ने कभी भी एक मुट्ठी भर धूल नहीं ली और उससे हव्वा को बनाया; वह भिन्न सृष्टि होती। और वह सृष्टि नही है। वह उप–उत्पादन है। और परमेश्वर आदम के हृदय में जाता है, इस पसली में, जो कि ठीक उसके हृदय के नीचे थी, और एक पसली को लिया और एक पत्नी को बनाया। और आदम की आत्मा का ठीक वही भाग स्त्री में था, और वे दोनो एक थे; प्राण, देह, आत्मा, वे एक हैं। वे सिद्ध रूप से एक हैं। एक वास्तविक स्त्री...और एक वास्तविक पति, एक वास्तविक पत्नी, वे दोनो मिलकर एक हैं।

140 यह किस बात की प्रतिक्षाया है? मसीह की, जो कि उसकी छाती से निकला! वह उप–उत्पादन नहीं है, मेथोडिस्ट, या एक बैपटिस्ट, या एक पिन्तेकोस्तल उत्पादन नहीं है। नहीं श्रीमान। परन्तु उसके अपने हृदय से उसने निकाला, उसने एक प्रिय को लिया जो कि जितनी शुद्ध और बफादार वह हो सकती है, वह होगी। वह एक लिली के पौधे के सामान बफादार है। उसकी ओर देखें...

141 वहां पर पीछे देखिए जबकि सुलेमान बोल रहा है, "हे मेरी प्रिय, आओ हम अनारों के बगीचे में चलें। हम प्रेम से अपने जी को बहलाएं।" और जब एक वास्तविक विश्वासी अपने हाथों को शुद्ध हृदय के साथ फैलाता है, और वह मसीह को थाम लेता है, मसीह को प्रेम करने वाले की प्रीति उसके हृदय में चला जाता है। यह उसकी पत्नी है, बस जिस प्रकार से एक पति एक वास्तविक पत्नी के लिए करता है।

142 हमें किस प्रकार का व्यक्ति होना चाहिए? क्या हम मसीह के साथ में एक वेश्या का भाग अदा कर रहे हैं? क्या हम किसी छोटी सी बात पर निर्भर कर रहे हैं, और संसार के पीछे और उसकी वस्तुओं के पीछे भाग रहे हैं, और सांसारिक मन है, और वह वास्तविक भक्ति नहीं

है जिसको कि हमारे पास में होना चाहिए? क्या आप कल्पना कर सकते हैं? ओह मेरे परमेश्वर!

143 भाई, क्या आप पत्नी के लिए कल्पना कर सकते हैं कि वह आए और आप की गोद में सुन्दर कपड़ों में और अपने नीचे पहनने वाले वस्त्रों में और उन डोरी दार वस्त्रों में बैठे, और उसके बाल अच्छी तरह से सजे हुए हों, और बंधे हुए हों, और उस प्रकार से हर चीज हो? अपने हाथ को आपके चारों ओर डाल दे, कहे, "ओह जॉन, मैं बस तुमसे प्रेम करती हूं।" (भाई ब्रन्हम कुछ चुंबन की आवाजें करते हैं–स़ंम्पा)" मैं तुमसे प्रेम करती हूं।" और फिर ठीक तभी आप यह जान जाते हैं कि कुछ गलत है। आप को उसे में विश्वास नहीं है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वह कितनी सुन्दर दिखती है और वह कितनी अच्छी तरह से सजी हुयी है। आपको, यदि आपको उस में सिद्ध रूप में विश्वास नहीं है, कहीं पर कुछ गलत है। यह उस चाह को संतुष्ट नही करता है जो कि एक पुरूष को अपनी पत्नी के लिए होती है।

144 और अब बस अपने विषय में संसार के साथ में समय गंवाते हुए और संसार के साथ में उलझते हुए सोचें, और अपने घुटनो पर जाएं, कहें, "ओह प्रभु यीशु, मैं आप से प्रेम करता हूं।" यह जलता हुआ यहूदा इस्करियोति के सामान चुंबन होगा।" यह ठीक बात है। इन बातों के विषय में सोचें। अब एक बेदारी आने जा रही है। समझे?

145 ओह, हो सकता है कि आप के पास ब्याह की अंगूठी हो, यह ठीक बात है, परन्तु आप उसकी पत्नी न हों। ओह, हो सकता है कि आप एक स्त्री हों। आप घर की स्त्री हों, परन्तु आप एक पत्नी नहीं हैं यदि आप उस प्रकार से व्यवहार करते हैं।

146 और आप एक वास्तविक मसीही नहीं है, आप मसीह का एक वास्तविक असली उत्पादन नहीं हैं, यदि आप उस हर एक बात से जो कि आप के अन्दर है उससे प्रेम नही करते हैं।

147 मैं इस बात की परवाह नही करता हूं कि आप सुन्दर दिखें, चाहे न दिखें, आप उससे प्रेम करते हैं और आप अपने आप को प्रगट करते हैं। यह तब होता है जब आप दोनो एक हो जाते हैं; यह तब होता है जब मसीह और उसकी कलीसिया। संस्था से नहीं, बपतिस्में से नहीं, सनसनाहट से नहीं; किसी और चीज के द्वारा नहीं परन्तु वास्तविक प्रेम के द्वारा आपको परमेश्वर की छाती से बाहर निकाला गया, जब उसको वहां पर घाव लगे और उसने आप को खरीद लिया। और आपका प्रेम, आप की सत्यता, और आपकी बफादारी इस बात को सिद्ध करती है कि आप क्या हैं। देखिए कि मेरा क्या अर्थ है? चाहे आप सुन्दर वस्त्रों को पहिने, या चाहे आप...

148 मैं इस बात की परवाह नही करता हूं कि मेरी पत्नी कभी अपने बालों की कंघी न करे, यदि वह एक सुन्दर वस्त्र न पहिने, या कभी...वहां पर वह मेरी प्रिय होगी। मैं उसकी प्रशंसा उसकी बफादारी के कारण करता हूं, उसके सद्‌गुण के कारण करता हूं। वह क्या है, यह वही है।

149 और मसीही पुरूष और स्त्री होने के कारण, यही हम परमेश्वर की दृष्टि में हैं। यह इसलिए नहीं है क्योंकि हम सबसे अच्छे गिरजे में जा सकते हैं, या हम सबसे अच्छा वस्त्र पहन सकते हैं, या हम इस पड़ोस में जा सकते हैं, या हम इस बात को कर सकते हैं, या हम इसमें सवारी कर सकते हैं, या हम इस बात को, उस बात को कर सकते हैं। उसका इस बात से एक बात में भी लेना देना नहीं है। यह हमारी बफादारी का सद्‌गुण है और मसीह के लिए हमारा प्रेम है। और यही जन्म है। यही वह चीज है जो कि होती है।

150 ''और चाहे मैं मनुष्यों और स्वर्गदूतों की बोली बोलूं; मैं कुछ भी नहीं हूं। चाहे मैं निर्धनों को भोजन खिलाऊं; चाहे मैं अपनी वस्तुओं को दे दूं; चाहे मैं यह करूं, और वह करूं, और उस बात को करूं; मैं कुछ भी नहीं हूं।'' मसीह इस बात की क्या परवाह करता कि आप क्या कुछ कर सकते हैं, और आप उस प्रकार से क्या कुछ कर सकते हैं, यदि वह असली और वास्तविक प्रेम ओर बफादारी नहीं पायी जाती है? उस के

विषय में सोचें, क्या आप नहीं सोचेंगे?

151 यह संडे स्कूल है, और स्मरण रखिए, यह आपके लिए एक पाठ है। अपने हृदय में बने रहें, मसीह को पहला स्थान दें, जैसे कि एक वास्तविक स्त्री अपने पति के लिए करती है। कोई और हाथ उसे कहीं पर भी छू नही सकते हैं। कोई और चुंबन नहीं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वह बात कितनी अधिक सुन्दर क्यों न दिखती हो, और वह अपने सिर को घुमा लेती है। उसके पास प्रेम केवल एक व्यक्ति के लिए है, और वह उसके पति के लिए है। यह ठीक बात है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वह व्यक्ति कितना आकर्षक लगता हो, और उसके बाल कितने पॉलिश किए गए और कितने चिकने क्यों न हों, और वह ठीक प्रकार से क्यों न खड़ा होता हो। नहीं श्रीमान। एक चीज भी नहीं। वह उस पति से प्रेम करती है, और केवल उससे ही वह प्रेम करती है। वह अपने सारे सद्‌गुणों और अपने सारे चुंबनों से वंचित हो जाती है। उसका सारा प्रेम और सभी कुछ उसके पति के लिए होता है, और केवल उसी के लिए होता है। दखिए कि मेरा क्या अर्थ है?

152 और आप संसार में हर एक चीज से वंचित हो जाते हैं, इससे कोई फर्क नही पड़ता है कि वह दिखने में कितनी अच्छी लगती है, और दिखने में कितनी आकर्षक लगती है। आप के सद्‌गुण के द्वारा ही आप को गिना जाएगा।

153 फिर आप कहते हैं, ''ओह, हालेलुइया! मैं–मैं जानता हूं कि मुझे मिल गया, क्योंकि मैंने यह किया। हालेलुइया!'' आप के पास इतना अधिक क्रोध होता है कि आप एक आवाज करती हुयी आरी के तुल्य हों।

मुझे आप को यह बताने दें भाई, यह सद्‌गुण होता है जिसका आदर मसीह करता है।

154 ''चाहे मैं मनुष्यों और स्वर्गदूतों की बोली बोलूं; चाहे मैं दोनो हाथों से लहु को निकाल सकूं; चाहे मैं आत्मा में चिल्ला सकूं और नृत्य

कर सकूं; चाहे मैं परमेश्वर के वचन में से खा सकूं, और उससे प्रेम कर सकूं; चाहे मैं उसी आत्मिक चट्टान में से पी सकूं जैसे कि बाकि के लोग करते हैं; चाहे मैं ताली को बजा सकूं, बस ठीक जैसे कि बाकि सब बजाते हैं।''(भाई बन्हम अपने हाथों से दो बार ताली बजाते हैं–संम्पा) ''चाहे मैं मगरमच्छ के आंसूओं से रो सकूं; चाहे मैं यह कर सकूं! परन्तु यदि मसीह के लिए वह असली, वास्तविक मसीही सद्‌गुण नहीं है, आप ठनठनाता हुआ पीतल, और झंझंनाती हुयी झांझ बन जाते हैं।'' पौलूस अपनी कलीसिया को इस बात की चेतावनी दे रहा था, इस कुरिन्थिओं की कलीसिया को, जो कि सभी प्रकार की काल्पनिक बातों में मिल गयी थी।

155 स्मरण रहे मित्रों, मैं आपको चेतावनी दे रहा हूं, मुझे आप के लिए न्याय के दिन जवाब देना होगा, और आपका लहु मेरे ऊपर नहीं होगा। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि आप किसी चीज के प्रति कितने अधिक बफादार हैं, आप मसीह के प्रति बफादार बने रहें। इस बात को स्मरण रखें जबकि हम प्रार्थना करते हैं।

156 आशीषित स्वर्गीय पिता, इस वर्तमान स्थिति में हम अब आते हैं और अपनी सारी गलत बातों को मान लेते हैं। ओह, करूणामयी परमेश्वर, आप करूणामयी हों। और हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमारे हृदयों के अन्दर देखेंगे। और इस घड़ी में जिसमें कि हम अपने सिरों को इस धूल की ओर झुकाकर इन्तजार कर रहे हैं, बूढ़े व्यक्ति के हृदय में देखें, वृद्ध स्त्रियों के हृदय में देखें, बीच की उम्र की स्त्रियों के हृदय में देखें, और युवाओं और यहां तक कि छोटे बच्चों के हृदय में देखें। और होने पाए कि हम अपने आप को जाचें।

157 हम उस पवित्र सप्ताह में आ रहे हैं जबकि हम गुड फ्राइडे और इस्टर को मनाएंगे, जो कि पुनुरूत्थान हैं। चाहे इस वर्ष हम कलीसिया के प्रति बफादार बने रहे, चाहे हमने प्रभु–भोज को लिया हो, चाहे हम चिल्लाए हों, हमने बहुत सी बातों को किया हो, परन्तु ओह परमेश्वर, मेरे हृदय के अन्दर देखीए। मैं अपने लिए बातचीत करता हू। यहां पर इस

प्रातः मेरे इन लोगों के हृदय में देखीए, और प्रभु हमें आप जाचें। ओह परमेश्वर, यदि कोई चीज है जो कि मसीह का स्थान ले रही है, उसे दूर हटा दें। यदि वह आलसपन है, बस अपर्याप्त होना है, यदि वह जो भी कुछ बात है, मैं नहीं जानता हूं। परन्तु परमेश्वर, उस बात को हमसे दूर हटा लें। ओह, हम इस युद्ध के समय में ढेर होना नहीं चाहते हैं, परमेश्वर के द्वारा ढेर होना नहीं चाहते हैं, और उसके शत्रु बनना नहीं चाहते हैं।

158 ओह.परमेश्वर, हमारे हृदय में देखें। अपनी पवित्र आत्मा के द्वारा हमें जांचें, और यदि हमारे अन्दर कुछ बुरी बात है, हमें इस प्रातः देखने दें। यदि कुछ है, पिता उसे दूर हटा लें। हम अब यहां से चले जाने के लिए और उसे वहां पर छोड़ने के लिए उसे यहां वेदी पर रखते हैं। यदि वह समय व्यर्थ करना है, यदि वह क्रोध है, यदि वह उदासीनता है, यदि वह अवहेलना करना है, यदि वह कुछ क्यों न हो, यदि वह घृणा है, यदि वह द्वेष है, यदि वह अनबन है, यदि वह क्या कुछ क्यों न हो, ओह परमेश्वर, आज उसे हमसे दूर ले जाएं।

159 और इस आनेवाली बेदारी में, होने पाए कि हम आपकी मनोहरता से इतने अधिक भर जाएं प्रभु, जब तक कि बहुतेरे आने पाएं और उद्धार पाने पाएं, यह छोटी सा समुदाय जो कि यहां पर है, जहां पर हमने बहुत घोर यत्न किया है। यह दस वर्षों में पहली बेदारी है जो कि मैंने की है। अब मैं प्रार्थना करता हूं कि आप हमारे हृदयों में उस वास्तविक पवित्र आत्मा को देंगे।

160 प्रभु, इस बात को प्रदान करें कि वह वहां पर अनंता के लिए अपना लंगर डाल ले। हम विवाहित लोगों को स्वयं को जांचने के लिए प्रेरित करें, कि किस प्रकार से हम अपनी पत्नीओं से व्यवहार करते हैं, हम कितने अधिक सच्चे हैं, या कितनी सच्ची हमारी पत्नीयां हमारे प्रति हैं। और होने पाए कि इस प्रातः हम अपने हृदयों में इस बात को लाने पाएं, कि हम किस प्रकार से सोचेंगे यदि उस प्रकार की कोई बात हमारे घर में घटित हो जाए। और फिर हम अपने प्रेम को आपकी तरफ मोढ़

लें, और कहें, ''ओह परमेश्वर, मुझपर करूणामयी हो।''

161 ओह, यदि–यदि पत्नी बस एक महीने में एक बार आए और अपने हाथों को आप के हाथ के ऊपर रखे और कहे, ''प्रिय, मैं तुमसे प्रेम करती हूं,'' और चली जाए, ओह, यह किस प्रकार से प्रतीत होगा कि वह मेरा तिरस्कार कर रही है, और यह किस प्रकार से प्रतीत होगा कि कुछ गलत है। और परमेश्वर, जबकि एक महीने में एक बार, या एक बार जब हम गिरजे जाएं, हम एक छोटी सी प्रार्थना करें। ओह, आप को सभी समय हमारे प्रेम की आवश्यकता है, हमारी–हमारी–हमारी सहभागिता की आवश्यकता है, और हमारे हृदय की इच्छाएं और हमारे विचार आप पर बने रहें। प्रभु, इसे प्रदान करें।

162 ओह, हमारे हृदय को अपने ऊपर इतना अधिक बनाए रखें, कि संसार की चीजों के लिए हम अंधे और उदासीन बन जाएं। प्रभु इसे प्रदान करें। अब हमें सुने, और सभा के अगले भाग में हमें आशीषित करें। हम यह मसीह के नाम में मांगते हैं। आमीन।

163 अब प्रभु आप को वास्तव में बहुत आशीष दे। और मैं... संडे स्कूल के विसर्जन के बाद मैंने कुछ ज्यादा मिनट ले लिए, उस बात के लिए क्षमा चाहता हूं। और मैं प्रार्थना करता हूं कि परमेश्वर आपको आशीषित करेगा। मैंने इन बातों को नहीं कहा है; यह परमेश्वर के वचन में हैं। वे हमारे लिए उदाहरण थीं। वे उदाहरण हैं। और मित्र, अब देखें।

164 आप को कैसा अनुभव होगा यदि आप यह जानते कि जो पत्नी आप को चुंबन दे रही है वह घोखेबाज है? जरा उस के विषय में सोचीए। उसका अध्ययन कुछ देर के लिए करें। आप क्या सोचेंगे?

165 अब जबकि आप परमेश्वर के पास आते हैं, और एक धोखा देने वाले होते हैं? उस बात को न करें। आइये हम वास्तविक बने। आप को किसी सनसनाहट को लेने की आवश्यकता नहीं है। आप को किसी

भिन्न बात को लेने की आवश्यकता नहीं है, जबकि संपूर्ण आसमान परमेश्वर के वास्तविक विशुद्ध प्रेम से भरा हुआ है। आप विकल्प को क्यों लेना चाहते हैं जबकि आप को वास्तविक चीज मिल सकती है? यह आपके लिए है। अब होने पाए कि परमेश्वर आपको आशीष दे, जबकि मैं इस सभा को अपने याजक को सौंपता हूं।

166 और इस सप्ताह में आप न भूलें, अब, यह छोटी बेदारी इस समुदाय के लिए है और जो शहर जो कि इसके चारों ओर हैं, उनके लिए है। आप अपने फोन पर जाएं, किसी से बात करें, उन्हें आने के लिए कहें। हम वेदी से पुकार करेंगे, और प्रभु में हम अपेक्षा कर रहे हैं कि इस सप्ताह हमारा एक अच्छा समय होगा।

167 प्रभु आपको आशीष दे जब तक कि मैं आपको अगली आने वाली बुद्धवार रात्रि को न मिलूं।

कुरिन्थियों, सुधार की पुस्तक
Vol.28 No.11

भाई ब्रन्हम के द्वारा यह संदेश रविवार प्रातः, अप्रैल 14,1957 को ब्रन्हम आराधनालय, जैफरसनविले, ईन्डियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका में दिया गया।

इसकी टेप संख्या 57–0414 है, और यह एक घंटे और नौ मिनट का है। चुम्बकीय टेप रिकार्डिंग से छपे हुये पन्ने पर ठीक–ठीक मौखिक संदेश को लाने के लिये हर एक प्रयास किये गये हैं, और बिना किसी काँट–छाँट किये हुये यह संदेश छापा गया है और VOICE OF GOD RECORDINGS के द्वारा निःशुल्क बाँटा जाता है।

यह पुस्तक विश्वासियों के द्वारा स्वेच्छा से दिये गये दानों के द्वारा उपलब्ध करायी जाती है।

1993 में छापा गया
VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O.BOX 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A

VOICE OF GOD RECORDINGS INC.

India Office

No. 28, Shenoy Road, Nungambakkam, Chennai - 600 034. South India.

Phone : 044-28274560 Fax : 044-28256970

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org